संकल्प

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

जनवरी-फरवरी 2024 | वर्ष-21 | अंक-01

बिजली के साथ : सबका विकास

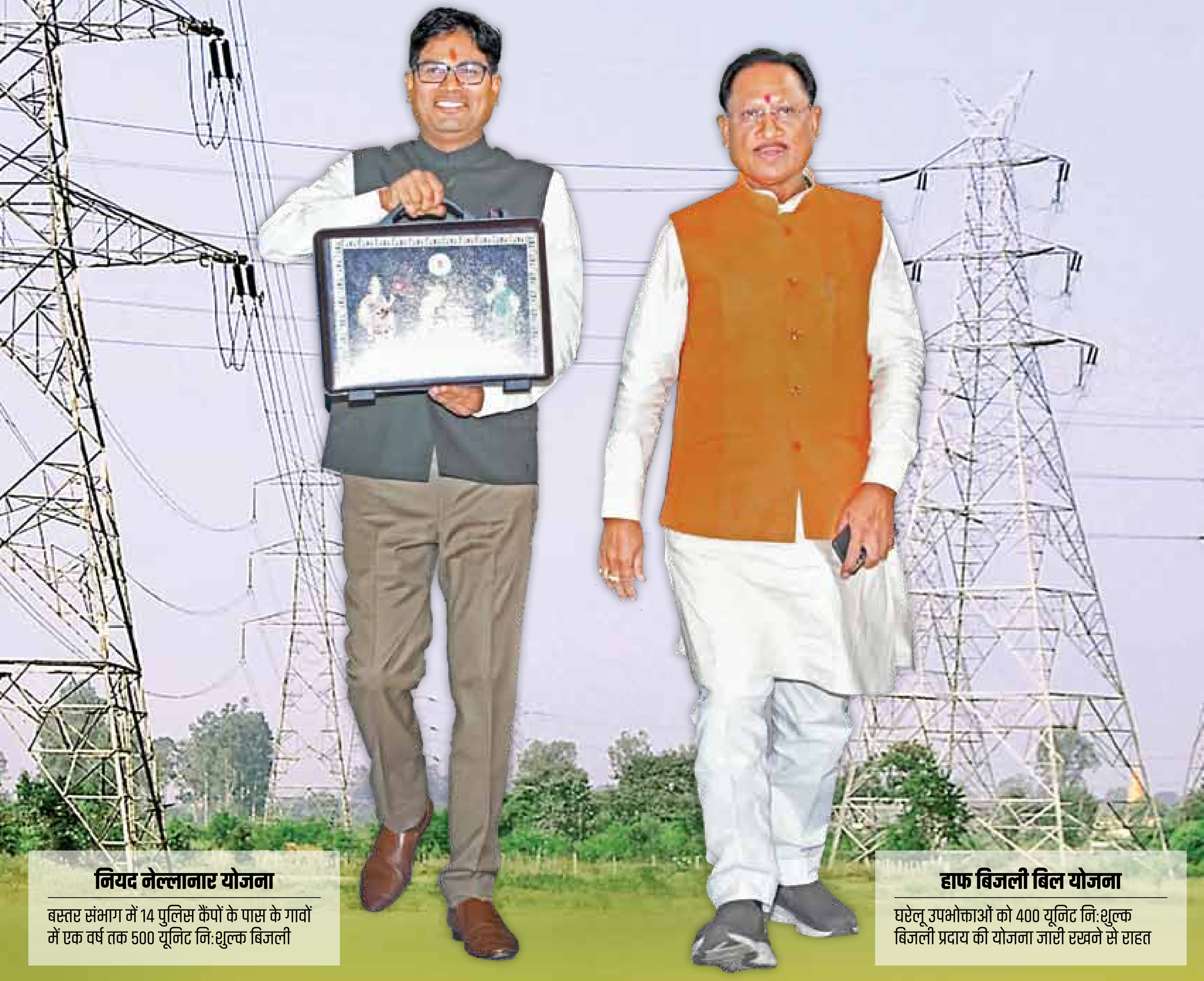

नियद नेल्लानार योजना

बस्तर संभाग में 14 पुलिस कैंपों के पास के गावों में एक वर्ष तक 500 यूनिट नि:शुल्क बिजली

हाफ बिजली बिल योजना

घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट नि:शुल्क बिजली प्रदाय की योजना जारी रखने से राहत

ऊर्जावान छत्तीसगढ़ के लिए 8009 करोड़ रु का ऊर्जा बजट

बिजली के बढ़ते कदम

	नवंबर 2000	जनवरी 2024
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	132 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट कि.मी.	13,933 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1,382 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6,988 सर्किट कि.मी.	24,745 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	29,692 नग	2,24,201 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40,556 कि.मी.	1,31,480 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51,314 कि.मी.	2,26,607 कि.मी.
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	62,49,863
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	3,797
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्राविधिक)	73,369	5,37,038

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की गृह पत्रिका

संकल्प

जनवरी-फरवरी 2024 | वर्ष-21 | अंक-01

संरक्षक

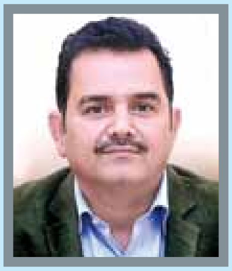

श्री पी. दयानंद IAS
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़

श्री मनोज खरे
प्रबंध निदेशक
वितरण कंपनी

श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
उत्पादन कंपनी

श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
पारेषण कंपनी

संपादक

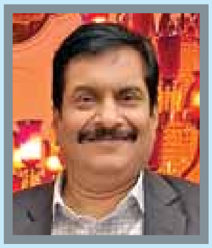

उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

सम्पादन सहयोग
गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी
छाया : **संजय टेम्बे** , सहयोग : **प्रसन्न कुमार दुबे**
फोन : **0771-2574702** E-mail : procsphcl@gmail.com

क्रम

संघर्ष और उपलब्धियों का यशस्वी सफरनामा 02
पहला बजट, उम्मीदों को नया आसमान 04
पारेषण कंपनी के नए एमडी... 11
नई ऊर्जा के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प 12
उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यस्तरीय पुरस्कार 15
सफलता का मंत्र 18
उत्पादन कंपनी की उपलब्धियां 19
मेरा संस्थान-मेरी शान-1 20
बिजलीकर्मियों में ऊर्जा और उमंग का संचार 22
परिचयावली 27
कैशलेस की टीम को स्पेशल अचीवमेंट अवार्ड 28
नई कैशलेस स्वास्थ्य योजना के नए प्रावधान 29
विदाई 32

सरल, सौम्य, सद्भावी, दृढ़ संकल्पी, न्यायप्रिय, मिलनसार, मददकार, मृदुभाषी, करुणामय

छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

यशस्वी यात्रा की एक झलक
जन्म - 21 फरवरी 1964
पंच, ग्राम पंचायत बगिया- 1989
सरपंच, ग्राम पंचायत, बगिया (निर्विरोध) - 1990
विधायक, तपकरा (दो बार) - 1990-1998
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा-
प्रथम बार- 2006
द्वितीय बार - 2011
तृतीय बार - 2020
लोकसभा सदस्य, रायगढ़ -
पहली बार - 1999
दूसरी बार - 2004
तीसरी बार - 2009
चौथी बार - 2014
केंद्रीय राज्यमंत्री - 2014 से 2019
इस्पात खान, श्रम, रोजगार मंत्रालय
विधायक कुनकुरी -2023
मुख्यमंत्री - 13 दिसंबर 2023 से

संघर्ष और उपलब्धियों का यशस्वी सफरनामा

श्री विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के बगिया गांव में हुआ था। श्री साय के पिता स्वर्गीय राम प्रसाद साय और माता जसमनी देवी हैं। श्री साय कृषक परिवार से हैं। अल्पायु में ही पिता के देहावसान के बाद श्री साय के लालन-पालन, शिक्षा-दीक्षा की जिम्मेदारी उनकी माता जी ने उठाई। मानव मात्र से प्रेम, करुणा, दया, मदद के संस्कार उन्हें अपनी माताजी से मिले। श्री साय की पत्नी श्रीमती कौशल्या साय हैं, जिनके साथ वे 27 मई 1991 को विवाह सूत्र में बंधे। श्री साय दंपत्ति के एक सुपुत्र और दो सुपुत्रियां हैं। श्री साय ने लोयोला हायर सेकेंडरी स्कूल, कुनकुरी में पढ़ाई की और माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश से सन् 1981 में 11वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने अंबिकापुर से स्नातक की पढ़ाई शुरू की। पारिवारिक जिम्मेदारियों और सार्वजनिक जीवन में अत्यधिक रूचि के कारण वे वापस अपने गांव आ गए।

श्री साय के दादाजी स्वर्गीय बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक मनोनीत विधायक थे। उनके बड़े पिता जी स्वर्गीय नरहरि प्रसाद साय सन् 1962 में लैलूंगा से विधायक रहे। वे 1972 में सांसद बने तथा केंद्रीय संचार राज्य मंत्री भी रहे। दूसरे बड़े पिताजी स्वर्गीय केदार नाथ साय सन् 1967 से 1972 तक तपकरा के विधायक रहे।

इस प्रकार श्री साय को राजनीति एवं सार्वजनिक जीवन-मूल्यों के संस्कार अपने परिवार से ही विरासत में मिले। अपने आदर्शों, नैतिक मूल्यों और जनसेवा के कार्यों की वजह से श्री साय ने लगातार लोकप्रियता अर्जित की।

श्री साय ने 1989 में ग्राम पंचायत में पंच के रूप में पहली बार राजनीतिक जीवन में प्रवेश किया। उनकी कार्यशैली और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उन्हें गांववालों ने निर्विरोध सरपंच चुना। 1990 में मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव हुआ, जिसमें वे भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर पहली बार तपकरा के विधायक चुने गए।

1993 के चुनाव में श्री साय ने फिर से विधानसभा चुनाव लड़ा और दूसरी बार जीत दर्ज की। 1999 के लोकसभा चुनाव में श्री साय को रायगढ़ क्षेत्र से टिकट दी मिली, उन्होंने इस चुनाव में जीत दर्ज कर लोकसभा में रायगढ़ ही नहीं, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। आदिवासी अंचल के साथ ही उभरते औद्योगिक अंचल की आकांक्षाओं की आवाज उन्होंने संसद में मुखर की। महज 10 साल की अवधि में श्री साय ने ग्राम पंचायत के पंच से लेकर लोकसभा तक का सफर तय किया। अपने सार्वजनिक जीवन व राजनीतिक जीवन में श्री साय ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और कर्मठ सिपाही की तरह अपने दल की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करते रहे। उन्होंने 2019 तक चार बार रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

लोकसभा सदस्य के रूप में श्री साय सदन की अनेक समितियों के सदस्य रहे, जहां उन्होंने विभिन्न विभागों के कार्य का अनुभव अर्जित किया और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को काफी करीब से देखा। श्री साय ने भारत सरकार में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में 2000 से 2004 तक कार्य किया। इसके बाद सूचना प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। 2014 में श्री साय को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार में इस्पात राज्य मंत्री बनाया गया। इस प्रकार श्री साय ने अत्यंत लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों माननीय श्री अटलबिहारी वाजपेयी से लेकर श्री नरेंद्र मोदी तक के सानिध्य में अनमोल अनुभव हासिल किए। उनके सौम्य, सरल, दयालु व सहयोगी व्यक्तित्व में कुशल प्रशासक, त्वरित निर्णय लेने वाले और न्यायप्रिय राजनेता के गुणों का विस्तार हुआ।

श्री साय की संगठन क्षमता को देखते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां दी गईं। 2006, 2011 तथा 2020 में भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 2023 में पार्टी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कुनकुरी सीट से प्रत्याशी बनाया। जिसमें वे 25 हजार 541 मतों से विजयी हुए। इसके बाद उन्हें प्रदेश मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया।

नई सरकार का पहला बजट उम्मीदों को नया आसमान

बिजली के साथ सबका विकास

छत्तीसगढ़ की नवगठित सरकार ने वर्ष 2024-25 का बजट 9 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्तुत कर दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने प्रदेश में पहली बार पेपरलेस बजट पेश करते हुए एक नया इतिहास रचा। 'हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे' की थीम पर श्री विष्णुदेव साय सरकार का यह पहला बजट अनेक मामलों में क्रांतिकारी बजट है, जिसमें 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' का सपना भी संजोया गया है।

यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है, जिसमें एक लाख 47 हजार 500 करोड़ रुपये के बजट में मोदी की गारंटी के वादों और छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने का वादा किया है। GYAN अर्थात गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी की थीम पर आधारित यह बजट 10 स्तंभों पर खड़ा है। इसमें रिफॉर्म, तीव्र आर्थिक विकास, अधिक से अधिक पूंजीगत व्यय करने, प्राकृतिक संसाधनों के उचित उपयोग और सेवा क्षेत्र की नई संभावनाओं के साथ ही बस्तर, सरगुजा, निजी निवेश और छत्तीसगढ़ी संस्कृति विकास पर जोर है।

वित्तमंत्री श्री चौधरी ने इसे अमृतकाल की नींव का बजट निरुपित किया है। साथ ही 1 नवंबर 2024 तक 'अमृतकाल : छत्तीसगढ़ विजन 2047' का दस्तावेज तैयार करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस विजन के लिए पहला मध्यावधि लक्ष्य राज्य की जीएसडीपी को अगले 5 साल में दोगुना करना है। 2028 तक जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य है। राज्य की सकल राज्य घरेलू उत्पाद को दोगुना करने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विद्युत के उत्पादन, पारेषण और वितरण में भी समुचित वृद्धि की आवश्यकता है। जिसके लिए वर्तमान बजट में समुचित प्रावधान किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार के वर्ष 2024-25 के बजट में रीवैम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर स्कीम के लिए 244 करोड़ का प्रावधान बहुत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से कृषि फीडर को अन्य विद्युत उपभोक्ताओं से अलग किया जाएगा, जिससे एक ओर जहाँ कृषि की आवश्यकता के समय बेहतर विद्युत प्रबंधन किया जा सकेगा, वहीं दूसरी ओर कृषि का लोड बढ़ने की स्थिति में अन्य क्षेत्रों की विद्युत प्रदाय की गुणवत्ता को बनाए रखना संभव होगा। इसके और भी बहुत से लाभ हैं। श्री विष्णुदेव साय सरकार का यह बजट प्रावधान नई उम्मीद जगाने वाला है।

बस्तर संभाग में 'नियद नेल्लानार योजना'

'आपका अच्छा गांव योजना' शुरू होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 15 फरवरी को विधानसभा में बस्तर संभाग के लिए एक नई योजना की घोषणा की। जिसे नियद नेल्लानार योजना के नाम से जाना जाएगा। यह बस्तर में बोली जाने वाली हल्बी भाषा का शब्द है। जिसका हिंदी में अर्थ होता है आपका अच्छा गांव। इस योजना के तहत बस्तर संभाग में नए पुलिस कैंपों के 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं के जरिए मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना में ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा। इसके दायरे में शामिल प्रत्येक घर को आगामी एक वर्ष तक 500 यूनिट निःशुल्क बिजली दी जाएगी। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर निःशुल्क बिजली भी मिलेगी। इसके लिए बजट में 20 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। जिसमें अन्य योजनाओं का लाभ भी बस्तर संभाग के रहवासियों को मिलेगा।

इन क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के तहत प्रधानमंत्री आवास, प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक भवन, महतारी वंदन, हर बसाहट में तुरंत ही हैंडपंप, गांव के केंद्र में हाईमास्ट सोलर लाइट, खेल का मैदान, गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने सड़क का निर्माण, मोबाइल टॉवर की स्थापना, प्रत्येक बसाहट में मनोरंजन केंद्र और ब्लॉक व जिला मुख्यालयों में छात्रावास की स्थापना की जाएगी।

सर्वाधिक बढ़ोत्तरी वाले विभागों में ऊर्जा विभाग को सातवां स्थान

विभाग	2023-24	2024-25	वृद्धि	प्रतिशत
महिला व बाल विकास	2,675	5,683	3,008	112%
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी	2,675	5,048	2491	97%
खनिज साधन	877	1,580	703	80%
पंचायत ग्रामीण विकास	10,329	17,529	7,200	70%
लोक स्वा. परिवार कल्याण	5,497	7,552	2,055	37%
कृषि	10,070	13,435	3,365	33%
ऊर्जा	6,665	8,009	1,344	20%

छत्तीसगढ़ का बजट प्रभावी तरीके से पेश किया गया है। हमारा यह पहला बजट आगामी कई सालों तक छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने वाला होगा। यह बजट छत्तीसगढ़ को नई दिशा देगा। यह बजट बिना किसी कर प्रस्ताव के राजस्व बढ़ाने वाला बजट है। यह बजट छत्तीसगढ़ का विजन बताता है। विकसित भारत की तरह हम छत्तीसगढ़ को भी विकसित करने की दिशा में ले जाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार का बजट अमृतकाल का बजट है। हमारी सरकार अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। इस बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता और महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इस बजट में समाज के हर वर्ग की चिंता की गई है। हम विशेषकर सरगुजा और बस्तर क्षेत्र का खास ध्यान रख रहे हैं। यह बजट तकनीकी संसाधनों को प्रोत्साहित कराने वाला होगा, जिससे हम नवीन संसाधनों के साथ विकास के नए आयामों को छू पाएंगे। बुनियादी ढांचे के विकास के साथ जनता पर किसी प्रकार का कोई भार नहीं होगा।

- विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

कृषक जीवन ज्योति योजना

कृषकों को विद्यमान स्थायी एवं अस्थायी पंपों पर 3 अश्वशक्ति तक कृषि पम्प के बिजली बिल में 6000 यूनिट प्रति वर्ष एवं 3 से 5 अश्वशक्ति के कृषि पम्प के बिजली बिल में 7500 यूनिट प्रति वर्ष छूट दी जा रही है। प्रदेश के लगभग 6,96,000 कृषक लाभान्वित हो रहे हैं। वर्ष 2023-24 में दिसंबर 2023 तक 2 हजार 527 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की जा चुकी है। योजना प्रारंभ 2 अक्टूबर 2009 से दिसंबर 2023 तक राशि लगभग 21 हजार 785 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की जा चुकी है। इस वर्ष 2023-24 हेतु 4 हजार 323 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान स्वीकृत किया गया है। वर्ष 2024-25 हेतु बजट में 3 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

कृषि पंपों का ऊर्जीकरण

कृषि पंपों के ऊर्जीकरण हेतु प्रति पंप 01 लाख एवं अधिकतम 1.50 लाख रुपए तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 56 हजार पंपों के विद्युतीकरण हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 31 जनवरी 2024 तक 9 हजार 995 पंपों के कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, इसके साथ ही विद्यमान लाइन से 4 हजार 520 पंपों के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। शेष पंपों के कार्य प्रगति पर है जिसे मार्च 2024 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 634.61 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान स्वीकृत है। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2006-07 से दिसंबर 2023 तक 2 हजार 353 करोड़ रुपए अनुदान प्रदाय किया गया है। वर्ष 2006-07 से दिसंबर 2023 तक रुपये 2 हजार 151 करोड़ रुपए व्यय किया जाकर लगभग 4.55 लाख से अधिक पंपों के विस्तार कार्य पूर्ण किया जा चुका है। योजनांतर्गत वर्ष 2024-25 हेतु बजट में 200 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान किया गया है। जिससे 20 हजार कृषि पंपों का विस्तार कार्य किया जाना अनुमानित है।

सभी वर्गों को मिलेगा विद्युत विकास का लाभ

श्री विष्णुदेव साय सरकार का पहला बजट प्रस्तुत करते हुए वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने ऊर्जा क्षेत्र की जनहितकारी योजनाओं को नया आयाम दिया है। यह माना जाता है कि यदि ऊर्जा क्षेत्र सशक्त होगा, तभी अधोसंरचना के सभी क्षेत्रों में सुधार होगा। ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती जीवन-स्तर उन्नयन का माध्यम बनती है। किसान, गृहस्थ, महिला, विद्यार्थी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आदि प्राथमिकता वाले वर्गों को जब उचित दर पर गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलती है अथवा निःशुल्क बिजली मिलती है तभी वे अपनी विरासत में मिली कमजोरी को दूर कर पाते हैं और तेजी से विकास करते हैं। कृषक जीवन ज्योति योजना कृषि पंपों का ऊर्जीकरण, मजराटोला विद्युतीकरण, शहरी विद्युतीकरण जैसी योजनाओं के लिए समुचित बजट प्रावधान करने, विद्युत के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण नेटवर्क को वास्तविक जरूरत के अनुरूप विस्तार देने की सार्थक सोच से निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ का ऊर्जा क्षेत्र सशक्त होगा, जिसका लाभ समस्त विकास गतिविधियों, उद्योग, व्यापार और हर तरह के कारोबार को मिलेगा। साय सरकार का पहला बजट सराहनीय और स्वागत योग्य है।

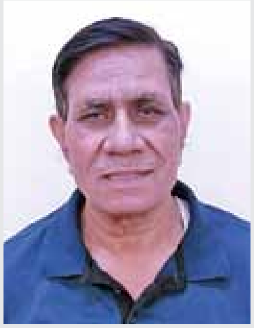

पी.एन सिंह
संरक्षक
अखिल भारतीय विद्युत अभियंता संघ

हॉफ बिल स्कीम

- घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह खपत की गई 400 यूनिट तक की बिजली पर प्रभावशील विद्युत की दरों के आधार पर आंकलित बिल (ऊर्जा प्रभार/नियत प्रभार/एफपीपीएएस) की राशि को आधा किया गया है।
- वर्ष 2023-24 में दिसंबर 2023 तक 848 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की जा चुकी है।
- योजना प्रारंभ मार्च 2019 से दिसंबर 2023 तक 4 हजार 540 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की जा चुकी है।
- 43 लाख 62 हजार 443 घरेलू उपभोक्ताओं को योजना के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे हैं।
- वर्ष 2023-24 हेतु बजट में 1 हजार 197 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान स्वीकृत है।
- राज्य शासन द्वारा योजना प्रारंभ से दिसंबर 2023 तक 4 हजार 715 करोड़ रुपए अनुदान प्रदाय किया गया है।
- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को रियायत दिए जाने हेतु वर्ष 2024-25 हेतु बजट में 1 हजार 274 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।
- योजना का विस्तार भिलाई स्टील प्लांट डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी एरिया (भिलाई टाउनशिप एरिया) के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए भी किया गया है। जिसके हेतु वर्ष 2024-25 के बजट में लगभग 8500 घरेलू उपभोक्ताओं को रियायत दिए जाने हेतु राशि 8.53 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

रीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम

- विद्युत मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रीवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम को प्रारंभ किया गया है। उक्त योजनांतर्गत प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2024-25 तक वाणिज्यिक एवं तकनीकी हानि (ए.टी.एण्ड.सी. लॉस) को 12 से 15 प्रतिशत तक सीमित करना एवं ऐवरेज कॉस्ट ऑफ सप्लाई एवं एवरेज रेवेन्यू रियलाईजेशन (ACSARR) के अंतर को शून्य करना है। आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं कुशल संचालन वाले पॉवर वितरण सेक्टर के माध्यम से उपभोक्ताओं को आपूर्ति की जा रही बिजली की गुणवत्ता, विश्वसनीयता को बढ़ाए जाने के सामर्थ्य में सुधार करना है, जिस हेतु कृषि फीडर को अलग किया जाना है। नवीन 11 के.व्ही. एवं 33 के.व्ही. लाइनों की स्थापना, निम्नदाब एल.टी लाइनों में बेयर कंडक्टर के स्थान पर ए.बी. केबल की स्थापना आदि अन्य कार्य किया जाना है।
- वर्ष 2023-24 के बजट में लगभग 81 करोड़ रुपये का प्रावधान था।
- वर्ष 2024-25 हेतु राज्य शासन के बजट में 244.18 करोड़ रुपये प्रावधान किया गया है।

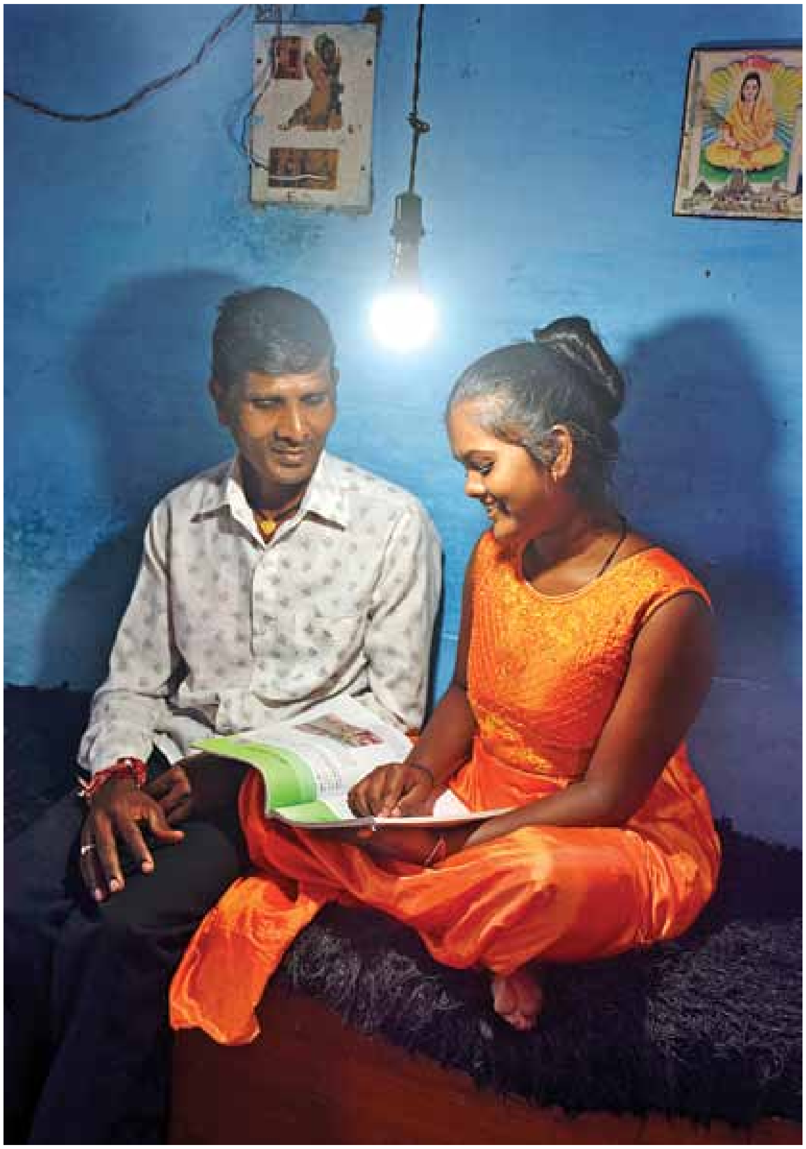

ऊर्जा के बजट में वृद्धि उत्साहजनक

कौशल किशोर मिश्रा
वरिष्ठ संपादक

अमृतकाल में छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनी जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को मिला। साय सरकार के नए बजट में उनकी प्राथमिकताएं स्पष्ट रूप से दिख रही हैं। साय सरकार ने मोदी की गारंटी को आत्मसात करते हुए 2047 के विकसित छत्तीसगढ़ का खाका खींचा है। जिसके लिए श्री साय और उनके वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी बधाई के पात्र हैं। इस बजट में 20 प्रतिशत या अधिक की वृद्धि जिन विभागों के लिए की गई है, उनमें ऊर्जा विभाग भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि ऊर्जा क्षेत्र को सुदृढ़ करते हुए जनहितकारी योजनाओं को निरंतर जारी रखने की सोच अत्यंत संतुलित और विकास को प्रेरित करने वाली है।

मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना

- इस योजनांतर्गत ऐसे आंशिक रूप से विद्युतीकृत ग्रामों के मजरे-टोल/बसाहटों का विद्युतीकरण किया जा रहा है जो राज्य में संचालित योजनाओं में शामिल नहीं है। इसके अतिरिक्त इन मजरे-टोले/बसाहटों के बी.पी.एल. परिवारों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन भी प्रदान किया जा रहा है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में 31 जनवरी 2024 तक 17.70 करोड़ रुपए व्यय किया जाकर 141 मजरा/टोले के कार्यपूर्ण किये गये हैं।
- योजना प्रारंभ वर्ष 2014-15 से 31 जनवरी 2024 तक 623 करोड़ रुपये व्यय किया जाकर लगभग 13 हजार मजरे-टोले कें कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं एवं वर्तमान में लगभग 70 करोड़ रुपये के कार्य प्रगति पर हैं।
- वर्ष 2023-24 हेतु बजट में 45 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।
- राज्य शासन व्दारा वर्ष 2014-15 से 31 जनवरी 2024 तक 592 करोड़ रुपए बजट आबंटन किया किया गया है।
- वर्ष 2024-25 हेतु बजट में 106 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया गया है।

बीपीएल उपभोक्ताओं को दी जा रही रियायतें

- गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को प्रत्येक माह 30 यूनिट तक निःशुल्क विद्युत प्रदाय।
- 16 लाख 04 हजार 97 बीपीएल उपभोक्ता लाभान्वित।
- वर्ष 2009-10 से दिसंबर 2023 तक राशि 3,945 करोड़ रुपए की छूट प्रदत्त।
- वर्ष 2023-24 के बजट में 508.54 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- राज्य शासन व्दारा वर्ष 2009-10 से अभी तक 4,328 करोड़ रुपए अनुदान प्रदत्त।
- वर्ष 2024-25 हेतु बजट में 539.60 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान।

मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना

- प्रदेश में स्थित 14 नगर निगम एवं अन्य नगरीय निकायों में भी बी.पी.एल. कनेक्शन दिये जाने तथा इस हेतु आवश्यक लाईन के विस्तार कार्य संपादित कराया जाता है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में 31 जनवरी 2024 तक 36.14 करोड़ रुपए व्यय किया जाकर 672 कार्यपूर्ण किये गये हैं।
- योजना प्रारंभ वर्ष 2012-13 से 31 जनवरी 2024 तक 385 करोड़ रुपये व्यय किया जाकर लगभग 5 हजार 500 के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं एवं वर्तमान में लगभग रुपये 134 करोड़ के कार्य प्रगति पर हैं।
- योजनांतर्गत वर्ष 2023-24 हेतु बजट में 35 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है।
- राज्य शासन व्दारा वर्ष 2012-13 से 31 जनवरी 2024 तक 414 करोड़ रुपए बजट आबंटन किया गया है।
- वर्ष 2024-25 हेतु बजट में 35 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया गया है।

सौर सुजला योजना

- यह योजना वर्ष 2016-17 में प्रारंभ की गई थी। प्रदेश के कृषकों को रियायती दरों पर सिंचाई हेतु सोलर पंप प्रदान किया जा रहा है। अभी तक कुल 01 लाख 55 हजार 481 नग सोलर सिंचाई पंपों की स्थापना का कार्य किया जा चुका है।
- हितग्राहियों को संवर्गवार अर्थात् अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के किसानों को पम्प की क्षमतानुसार 07 हजार से 20 हजार के अंशदान पर 03 एच.पी से लेकर 05 एच.पी तक के सोलर पंप सिंचाई हेतु प्रदाय किया जा रहा है।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 में 20,000 नग सौर सिंचाई पंप की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। जिसके विरूद्ध कुल 17 हजार 770 पंप स्थापित किया जा चुका है। इस हेतु वर्ष 2023-24 में राज्य शासन द्वारा 677.35 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु 20,000 नग सौर सिंचाई पम्पों की स्थापना हेतु राशि 670 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान किया गया है।

इंदिरा गांव गंगा योजना

- सौर ऊर्जा प्रणाली (सोलर पम्प) के माध्यम से नदी/एनीकट के समीप स्थित ग्रामों के तालाबों को जल से भरे जाने हेतु गांव गंगा योजना का क्रियान्वयन/संचालन राज्य शासन द्वारा किया जा रहा है। अभी तक कुल 33 परियोजनाओं की स्थापना का कार्य राशि 21.97 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 में 16 ग्रामों के 23 तालाबों को भरे जाने हेतु सोलर पम्पों (क्षमता 10 एच.पी.) की स्थापना का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में योजना अंतर्गत 55 तालाबों में जल भरे जाने हेतु सोलर पंपों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है जिस हेतु राशि 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

सौर सामुदायिक सिंचाई योजना (नवीन मद)

- सौर सामुदायिक सिंचाई योजना अंतर्गत 7.5 एच.पी. से 20 एच.पी. क्षमता तक के सोलर पम्पों की स्थापना ग्रामों के निकट स्थित नदी/नाला/एनीकटों में कर उनमें उपलब्ध जल को लिफ्ट कर अण्डरग्राऊंड पाईप लाईन के माध्यम से कृषक समूहों के कृषि योग्य भूमि को सिंचित किया जाता है।
- इस योजना के अंतर्गत राज्य के ऐसे कृषक समूह, जिनके खेत किसी सतही जलस्त्रोत यथा नदी/एनीकट, स्टॉप डैम इत्यादि के निकट हो, को कृषि प्रयोजनों हेतु सामुदायिक सिंचाई व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है।
- योजना की शुरूआत से अभी तक कुल 230 परियोजनाओं की स्थापना का कार्य राशि 61.65 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11 स्थलों पर सौर सामुदायिक सिंचाई योजना हेतु राज्य बजट से राशि 30.00 करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में किया गया है।

सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं हेतु सहायक अनुदान (मार्केट मोड योजना)

- प्रदेश में गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग एवं ऊर्जा संरक्षण हेतु सौर ऊर्जा संयंत्रों यथा सोलर हाई मास्ट, सोलर पॉवर प्लांटों, सोलर जनरेटर संयंत्रों, सोलर गर्म जल संयंत्रों इत्यादि की स्थापना पर शासकीय अनुदान प्रदान किया जा रहा है।
- विगत 04 वर्षो में योजना अंतर्गत कुल 1690 सौर संयंत्रों 2875 नग सोलर हाईमास्ट संयंत्रों की स्थापना पर राशि 52.15 करोड़ रुपए का अनुदान स्वीकृति जारी किया गया है।
- राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना अंतर्गत 20 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है तथा आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 में योजना अंतर्गत 20 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान बजट में किया गया है। जिसके अंतर्गत सोलर पॉवर प्लांट, सोलर जनरेटर, सौर गर्म जल संयंत्र एवं सोलर हाईमास्ट संयंत्रों इत्यादि की स्थापना पर अनुदान स्वीकृति का लक्ष्य रखा गया है।

विद्यार्थियों, युवाओं का भविष्य बनेगा...

कृषक जीवन ज्योति योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक बहुत ही अच्छी योजना है, जिसकी शुरूआत मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में की गई। इस योजना के माध्यम से आदिवासी समाज के किसानों को नि:शुल्क बिजली देने की जो व्यवस्था की गई है। इससे आदिवासी अंचल में छोटे किसानों को संभलने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सरकार के पहले बजट में इस योजना के लिए प्रावधान करके यह संदेश दिया गया है कि गरीब किसानों के हित में यह योजना लगातार जारी रखी जाएगी जो बहुत ही सुखद संकेत है। इससे किसान परिवार की महिलाओं को भी बहुत राहत मिलेगी।

साय जी की सरकार ने बिजली बिल हॉफ योजना को जारी रखते हुए इसके लिए 1 हजार 274 करोड़ रुपये का जो बजट प्रावधान किया है उसका हम तहे-दिल से स्वागत करते हैं। इस तरह से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने महिलाओं के प्रति अपना सम्मान और संवेदनशीलता को व्यक्त किया है इससे लाखों परिवारों को गरीबी से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। गरीबों, किसानों, आदिवासियों को नि:शुल्क बिजली मिलने से व गृहस्थों को रियायती दर पर बिजली मिलने से विद्यार्थियों और युवाओं को अपनी पढ़ाई पूरी करने में मदद मिलेगी और वे अपना भविष्य संवार सकेंगे।

संजय जोशी
पूर्व सदस्य
छत्तीसगढ़ माध्यमिक
शिक्षा मंडल

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड द्वारा कोरबा में स्थापित 3 ताप विद्युत गृहों में हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम किए जाने के लिए अनुमानित राशि 2266 करोड़ रुपये की लागत पर एफ.जी.डी. संयंत्र एवं डिनॉक्स सिस्टम की स्थापना की जा रही है तथा विद्युत के उत्पादन हेतु राशि 12,915 करोड़ रुपए की लागत पर 1320 मेगावाट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना, कोरबा - पश्चिम की स्थापना की जा रही है।
राज्य शासन द्वारा इन दोनों परियोजनाओं के लिए 20 प्रतिशत अंशपूंजी की राशि बजट के माध्यम से वर्षवार आवश्यकता अनुसार बजट में कुल 300 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है।

ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ टॉप प्रोग्राम

गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने तथा ऊर्जा संरक्षण हेतु प्रदेश के घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के घरों/भवनों में ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ टॉप संयंत्र की स्थापना हेतु वर्ष 2024-25 के बजट में राशि 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

ऊर्जा शिक्षा उद्यान

- क्रेडा द्वारा रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, कबीरधाम, बस्तर एवं कोटमीसोनार (जांजगीर-चांपा) में आम जनता एवं बच्चों के मनोरंजन सह शिक्षा के उद्देश्य से 06 ऊर्जा शिक्षा उद्यानों की स्थापना की गई है।
- इस हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 में राशि 9.00 करोड़ रुपए का बजट में प्रावधान किया गया है। जिससे जिला दुर्ग के विकासखण्ड पाटन में एक नवीन ऊर्जा शिक्षा उद्यान की स्थापना की गई है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश में स्थापित 07 ऊर्जा शिक्षा उद्यानों के संचालन, संधारण कार्य एवं ऊर्जा शिक्षा उद्यान जगदलपुर के जीर्णोद्धार कार्य हेतु कुल राशि रुपये 9.00 करोड़ का बजट में प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक बने श्री राजेश कुमार शुक्ला

छत्तीसगढ़ में पारेषण नेटवर्क को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान

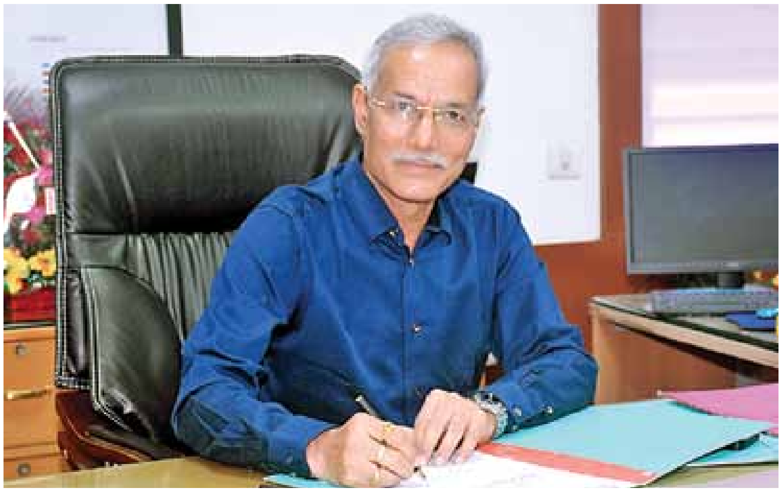

अध्ययन, शोध पत्र प्रकाशन, नवाचार में विशेष रुचि

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा 29 फरवरी 2024 को आदेश जारी करते हुए श्री राजेश कुमार शुक्ला को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण (ट्रांसमिशन) कंपनी के प्रबंध निदेशक के पद पर पदस्थ किया है।

इसके पूर्व श्री शुक्ला ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उनका जन्म 8 जुलाई 1963 को जबलपुर, मध्यप्रदेश में हुआ। उनकी माता स्व. श्रीमती शशिकला शुक्ला एवं पिता स्व. श्री रमेश शंकर शुक्ला हैं। उन्होंने वर्ष 1979 में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल की परीक्षा, अंबिकापुर से उत्तीर्ण की। वर्ष 1983 में बी.ई इलेक्ट्रिकल की उपाधि शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर से प्राप्त की। वर्ष 1984 में सहायक अभियंता प्रशिक्षु के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल, जबलपुर में नियुक्त हुए। अपनी सेवा यात्रा में उत्कृष्ट कार्यशैली एवं कार्यदक्षता को सतत प्रदर्शित करते हुये 6 मई 2003 को कार्यपालन अभियन्ता, 17 मार्च 2011 को अधीक्षण अभियन्ता एवं 1 अक्टूबर 2018 को अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता के रूप में पदोन्नत होकर पारेषण संकाय के रायपुर स्थित मुख्य अभियन्ता पारेषण, वाणिज्य व योजना, भण्डार एवं क्रय, परियोजना आदि कार्यालयों में कार्य करने का अवसर मिला। 8 नवम्बर 2019 को मुख्य अभियन्ता तथा 31 मार्च 2021 को कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति हुई। प्रबंध निदेशक नियुक्ति के पूर्व तक कार्यपालक निदेशक (पारेषण) थे। 1984 में सेवा में आने के पश्चात् 39 वर्षों तक निरन्तर पारेषण संकाय में पदस्थ रहे जिसमें 32 वर्ष छत्तीसगढ़ अंचल और राज्य में पदस्थापना रही है।

श्री शुक्ला 'टर्न की' आधार पर 132/33 केव्ही, 220/132 केव्ही एवं 400/220 केव्ही केन्द्र एवं पारेषण लाइनों के विशेषज्ञ है। विद्युत विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए वर्ष 2014-15 में रावणभाठा (रायपुर) में निर्मित 132 केव्ही उपकेन्द्र का गैस आधारित उपकरणों व उपकेन्द्र ऑटोमेशन की डिजाईन व ड्राइंग का सम्पूर्ण कार्य तथा 132 केव्ही ऑटोमेशन आधार पर निर्मित प्रथम उपकेन्द्र का भूमिगत लाइन निर्माण कार्य किया। उन्होंने अनेक ऐसे कार्य किए जो छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के इतिहास में पहली बार किए गए थे और उन कार्यों से प्रदेश के पारेषण नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने में मदद मिली थी। आपने विशिष्ट योगदान के लिए वर्ष 2016 में अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी द्वारा पुरस्कृत भी हुए हैं।

विकसित छत्तीसगढ़ का आधार बनाने के लिए ट्रांसमिशन कंपनी का सशक्तीकरण और ट्रांसमिशन क्षमता का विकास होगी प्राथमिकता

पदभार संभालने के पश्चात नव-नियुक्त एम.डी ट्रांसमिशन श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री तथा माननीय ऊर्जा मंत्री श्री विष्णु देव साय ने माननीय प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिया है व इन कार्यों को माननीय अध्यक्ष महोदय के मार्गदर्शन में शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण किया जाएगा। विकसित भारत बनाने में विकसित छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका होगी क्योंकि छत्तीसगढ़ को देश के ऊर्जा राज्य के रूप में ही पहचाना जाता है। मैं और मेरी टीम ट्रांसमिशन नेटवर्क को यथासंभव अधिक से अधिक क्षमतावान बनाने के लिए कार्य करेगी। हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ का ट्रांसमिशन नेटवर्क गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए मजबूत रीढ़ की हड्डी की तरह काम करे इससे हमारी उत्पादन और वितरण कंपनियों को भी तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

- राजेश कुमार शुक्ला
प्रबंध निदेशक पारेषण

नई ऊर्जा के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प

मुख्यमंत्री श्री साय का संकल्प पूरा करने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगाना है

- पी. दयानंद

अध्यक्ष,
छत्तीसगढ़ स्टेट विद्युत कंपनीज़

भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के मुख्यालय डंगनिया स्थित प्रांगण में अध्यक्ष श्री पी. दयानंद ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने विद्युत कंपनियों के सुरक्षा बल तथा बैंड द्वारा प्रस्तुत परेड की सलामी ली। विद्युत अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित किया तथा विगत वर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्युतकर्मियों को संबोधित किया।

श्री दयानंद का गणतंत्र दिवस उद्बोधन अविकल रूप से प्रस्तुत है... उन्होंने कहा-

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय ने नई ऊर्जा के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है, उन्हें पूरा करने में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की अहम् भूमिका है। सस्ती और सुलभ बिजली के जरिए हम आम आदमी के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिये कार्य कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बिजली की बढ़ती हुई मांग, प्रदेश के तीव्र विकास का सूचक है। प्रदेश के 62 लाख 64 हजार उपभोक्ताओं को निरतंर गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदान करना हमारे लिये गर्व का विषय है। प्रदेश में वर्ष 2023 में विद्युत की अधिकतम मांग 5,900 मेगावॉट को पूरा करने में हम सफल रहे हैं। जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। इसके लिए मैं जनरेशन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिनके टीमवर्क से हमने जीरो पॉवर कट स्टेट की पहचान को बरकरार रखा है।

छत्तीसगढ़ आर्थिक रूप से तेजी से उभरता हुआ प्रदेश है, हम कोयला आधारित संयंत्रों के अलावा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रहे हैं। इसके लिए जनरेशन कंपनी ने प्रदेश के 5 स्थानों को पंप स्टोरेज तकनीक से विद्युत उत्पादन के लिए चिन्हित किया है। कोरबा पश्चिम में लगभग 13,000 करोड़ की प्रस्तावित 1,320 मेगावॉट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर परियोजना की स्थापना की दिशा में हम तेजी से अग्रसर हैं।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की दिसम्बर 2023 की औसत लोड फेक्टर रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 33 स्टेट पॉवर सेक्टर द्वारा संचालित विद्युत संयंत्रों का औसत प्लांट लोड फैक्टर 68.06 प्रतिशत रहा, जबकि इसी दौरान छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी का पीएलएफ 83.08 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस प्रकार जनरेशन कंपनी के संयंत्रों को देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। विद्युत उत्पादन क्षमता को निरंतरता के साथ बनाए रखने के लिए, मैं जनरेशन कंपनी की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार देश में वन नेशन-वन ग्रिड संचालित है। ऐसे में ग्रिड से समन्वय स्थापित करते हुए विद्युत आपूर्ति का कार्य छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी बेहतर तरीके से कर रही है। ट्रांसमिशन कंपनी को निरंतर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए पारेषण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण समय-समय पर करना आवश्यक है। अतः इस वर्ष राज्य में स्थापित अति उच्चदाब ट्रांसफार्मरों में 8 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रदेश में 14000 सर्किट किलोमीटर अति उच्चदाब लाईनों एवं 336 पॉवर ट्रांसफार्मरों के नेटवर्क से निरंतर

विद्युत आपूर्ति करना सबसे बड़ी चुनौती है। इस वर्ष ट्रांसमिशन कंपनी ने नेटवर्क की उपलब्धता 99.79 प्रतिशत बनाये रखने में सफलता हासिल की है, जो विद्युत नियामक आयोग के द्वारा निर्धारित लक्ष्य 99 प्रतिशत से अधिक है, इसके लिए मैं ट्रांसमिशन कंपनी की पूरी टीम के सभी अधिकारी-कर्मचारियों की लगन व परिश्रम की सराहना करता हूं।

"छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी अपने विशाल नेटवर्क के जरिए जिसमें 1374 विद्युत उपकेंद्र के साथ 4 लाख किलोमीटर वितरण लाईनें स्थापित है, लगभग 63 लाख उपभोक्ताओं को 24x7 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति कर रही है। इस विशाल नेटवर्क को निरंतर जीवंत बनाए रखने का कार्य डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के शहर से लेकर दूरस्थ गांव में फैला मैदानी अमला पूरी मुस्तैदी से कर रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले किसानों के 7 लाख पम्प कनेक्शनों को तथा स्टील, सीमेंट और चावल उद्योगों को किफायती और निरंतर बिजली प्रदान की जा रही है, जिससे छत्तीसगढ़ राज्य के आर्थिक विकास की गतिविधियों में तेजी आ रही है। प्रदेश के विकास में भागीदार बनने के लिए मैं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।"

"भविष्य में हमें और बेहतर तरीके से कार्य करना होगा। भारत सरकार के सहयोग से प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर लगाने की दिशा में कार्य आरंभ किया जाना है, इसके लिए रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) लागू की गई है, जिसमें स्मार्ट मीटर पर 4,089 करोड़ रूपए तथा लाइनलॉस में कमी लाने के लिए 3,544 करोड़ रूपए की योजनाएं शामिल हैं।"

"सूचना प्रौद्योगिक के इस दौर में पॉवर कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं को मोर बिजली मोबाईल ऐप के माध्यम से जोड़ा है ताकि उपभोक्ताओं को बिजली बंद की सूचना देने, बिजली बिल के भुगतान, नये कनेक्शन के लिये आवेदन आदि कार्यो में सुविधा हो। मुझे आपको बताते हुए हर्ष हो रहा है कि इस मोबाइल ऐप को 20 लाख से अधिक उपभोक्ता उपयोग कर रहे हैं।"

अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी तीनों कंपनियों के कर्मियों के हितों को लेकर सजग है, उनके के लिए अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू अक्टूबर 2023 में लागू की गई है, जिसमें 10,000 नियमित कर्मी एवं 11,000 पेंशनर्स एवं उनके पात्र आश्रित शामिल हैं। अभी रोजाना औसतन 11 हितग्राही कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त रहे हैं। योजना लागू होने के तीन महीने में 106 अलग-अलग अस्पतालों में 1,035 हितग्राहियों को कैशलेस सुविधा प्राप्त हुई। इसके लिए मोर बिजली कंपनी मोबाइल ऐप भी बनाया गया है, जिसमें कर्मियों को ई-हेल्थ कार्ड, नेटवर्क अस्पताल, भर्ती की सूचना तथा इलेक्ट्रानिक माध्यम से क्लेम जमा करने तथा क्लेम की अद्यतन स्थिति जानने की सुविधा शीघ्र दी जा रही है।

भर्ती - पॉवर कंपनियां राज्य में रोजगार देने में भी अपनी अहम भूमिका निभा रही है, जिसके तहत इस वर्ष में 31 कनिष्ठ यंत्री एवं 327 डाटा एंट्री आपरेटरों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है तथा सहायक यंत्री के 52 पद एवं कनिष्ठ यंत्री के 377 के पद में भर्ती हेतु व्यावसायिक परीक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

महंगाई भत्ता/बोनस/वाहन भत्ता - पॉवर कंपनी के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को 1 जुलाई 2023 से देय मंहगाई भत्ता की दर को 42 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत करने की घोषणा करता हूं तथा एरियर्स का भुगतान दो किश्तों में आगामी जनवरी-फरवरी माह में किया जाएगा। वर्ष 2022-23 के लिए 11 हजार रुपए की दर से बोनस/एक्सग्रेसिया देने की घोषणा करता हूं। इसके अतिरिक्त वाहन भत्ता की दरों को भी सितंबर 2023 से पुनरीक्षित कर लागू किया जा रहा है।

"साथ ही विश्वास दिलाता हूं कि भविष्य में समय-समय पर विद्युत कर्मियों के हितों में उचित निर्णय लिये जाते रहेंगे।"

"अंत में मैं गणतंत्र दिवस के मौके पर पुरस्कृत होने वाले विद्युत कर्मियों को विशेष तौर पर बधाई और शुभकामनायें देता हूं, जिन्हें उत्कृष्ट कार्यो के लिये सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही उनके कार्य में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोगी रहे सभी सहकर्मियों को भी बधाई देता हूं।"

उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री पी.दयानंद ने प्रदेशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं बेहतर कार्य करने वाले बिजली कर्मियों को पुरस्कृत किया और बेहतर योगदान के लिए सभी को टीम भावना से कार्य करने का आव्हान किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक द्वय श्री मनोज खरे, श्री एसके कटियार विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्य स्तर पर 6 एवं केंद्रीय कार्यालय स्तर पर 7 कर्मी सम्मानित हुए।

राज्य स्तर पर व्यक्तिगत पुरस्कृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम तथा उनका योगदान इस प्रकार है...

वाय.के.दीक्षित, कोरबा

हसदेव ताप विद्युत गृह के एसई श्री वाय.के. दीक्षित को बॉयलर की मेन स्टीम लाइन के मेन आइसोलेटिंग वाल्व की खराबी में सुधार व डीएम वॉटर की बचत के लिए।

धर्मेन्द्र कुमार बंजारे, मड़वा

अटलबिहारी बाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा के एसई श्री धर्मेन्द्र कुमार बंजारे को इकाई क्रमांक 1 के 178 दिन एवं इकाई क्रमांक 2 के 82 दिनों तक लगातार संचालन में योगदान के लिए।

केशबो लाल नेताम, जगदलपुर

मीटर रिले परीक्षण संभाग जगदलपुर में पदस्थ परिचारक श्रेणी एक श्री केशबो लाल नेताम को 132 केव्ही उपकेंद्र सुकमा के 33 केव्ही छिंदगढ़ फीडर एवं 132 केव्ही उपकेंद्र बीजापुर के 33 केव्ही गंगलूर फीडर के पेनल वायरिंग को नियत समय में पूर्ण करने के लिए।

पुष्पा सिदार, रायगढ़

220 केव्ही उपकेंद्र रायगढ़ की एई पुष्पा सिदार को सभी फीडरों में सही अनुपात में लोड का वितरण कर ओवरलोड की समस्या के निराकरण के लिए।

राजेन्द्र कुजूर, रायगढ़

धरमजयगढ़ में पदस्थ एई श्री राजेन्द्र कुजूर को सघन वन क्षेत्र में हाथियों को विद्युत लाईन से होने वाली दुर्घटना से बचाने के लिए वन विभाग के साथ अभियान चलाने, कृषि पंप कनेक्शनों एवं जनजातीय क्षेत्र में शतप्रतिशत विद्युतीकरण के लिए।

राजूराम शोरी, जगदलपुर

वितरण केन्द्र आमाबोड़ा(जगदलपुर) में कार्यरत परिचारक श्रेणी दो श्री राजूराम शोरी को वनांचल ग्रामों में बाधित विद्युत अवरोध को तत्काल सुधार,ट्रांसफार्मर फेल्योर रेट को कम करने के लिए।

केंद्रीय कार्यालय स्तर पर व्यक्तिगत पुरस्कार

शशांक रैच

ईडी (एस एंड पी-जनरेशन) रायपुर कार्यालय में पदस्थ ईई श्री शशांक रैच को 250 एवं 500 मेगावाट के बिजली संयंत्रों के परिचालन में बियरिंग खरीद नीति 2023 में आवश्यक सुधार पूर्ण करने के लिए।

हितेन्द्र कुमार मारकण्डेय

कार्यालय ईडी (ओ एंड एम-जनरेशन) में पदस्थ ईई श्री हितेन्द्र कुमार मारकण्डेय कोऑनलाईन ट्रेडिंग व्दारा केटीपीएस कोरबा पूर्व प्लांट में 1-38 करोड़ के एनर्जी सेविंग सर्टिफिकेट प्राप्त करने में योगदान के लिए।

फुल्लन चंद्राकर

कार्यालय ईडी(वित्त) में पदस्थ एसओ श्री फुल्लन चंद्राकर को देयकों के त्वरित भुगतान एवं आंतरिक अंकेक्षण कार्य के लिए।

सफलता का मंत्र

पन्नालाल साहू

भिलाई भंडार संभाग में कार्यरत एसओ श्री पन्नालाल साहू को 34 संभागों को सामग्रियां वितरण एवं 1.38 करोड़ के स्क्रैप के नीलामी के लिए।

विंध्याचल गुप्ता

ईडी (लोड डिस्पेच)रायपुर कार्यालय में पदस्थ एई श्री विंध्याचल गुप्ता को पारेषण क्षमता की सीमा को 2540 मेगावाट से बढ़ाकर 3536 मेगावाट निर्धारित करवाने में योगदान के लिए।

स्व. विजय प्रकाश कौशल

ईडी (आरए एंड पीएम) रायपुर कार्यालय में एसई स्वर्गीय श्री विजय प्रकाश कौशल को अतिशेष विद्युत विक्रय करने से अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने में योगदान के लिए मरणोपरांत सम्मान।

आकांक्षा वर्मा

ईआईटीसी कार्यालय में पदस्थ प्रोग्रामर सुश्री आकांक्षा वर्मा को नये बिल प्रारूप की प्रोग्रामिंग एवं बिलिंग माड्यूल्स में विभिन्न प्रकार की त्रुटियों का त्वरित समाधान के लिए।

व्यक्तिगत पुरस्कार

अशोक पाण्डेय, पूर्व ईडी

व्यक्तिगत पुरस्कार पॉवर कंपनी के अध्यक्ष कार्यालय में पदस्थ कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार पाण्डेय को 20 वर्षों से अध्यक्ष कार्यालय में कार्यरत रहते हुए सभी पॉवर कंपनियों से आने वाले प्रस्तावों का सूक्ष्मतापूर्वक अवलोकन एवं परीक्षण करने के लिए।

समूह पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ ताप विद्युत गृह

210 मेगावाट हसदेव ताप विद्युत गृह,कोरबा पश्चिम इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ ताप विद्युत गृह का पुरस्कार, तीन लाख रूपए के पारितोषिक व प्रमाण पत्र से पुरस्कृत।

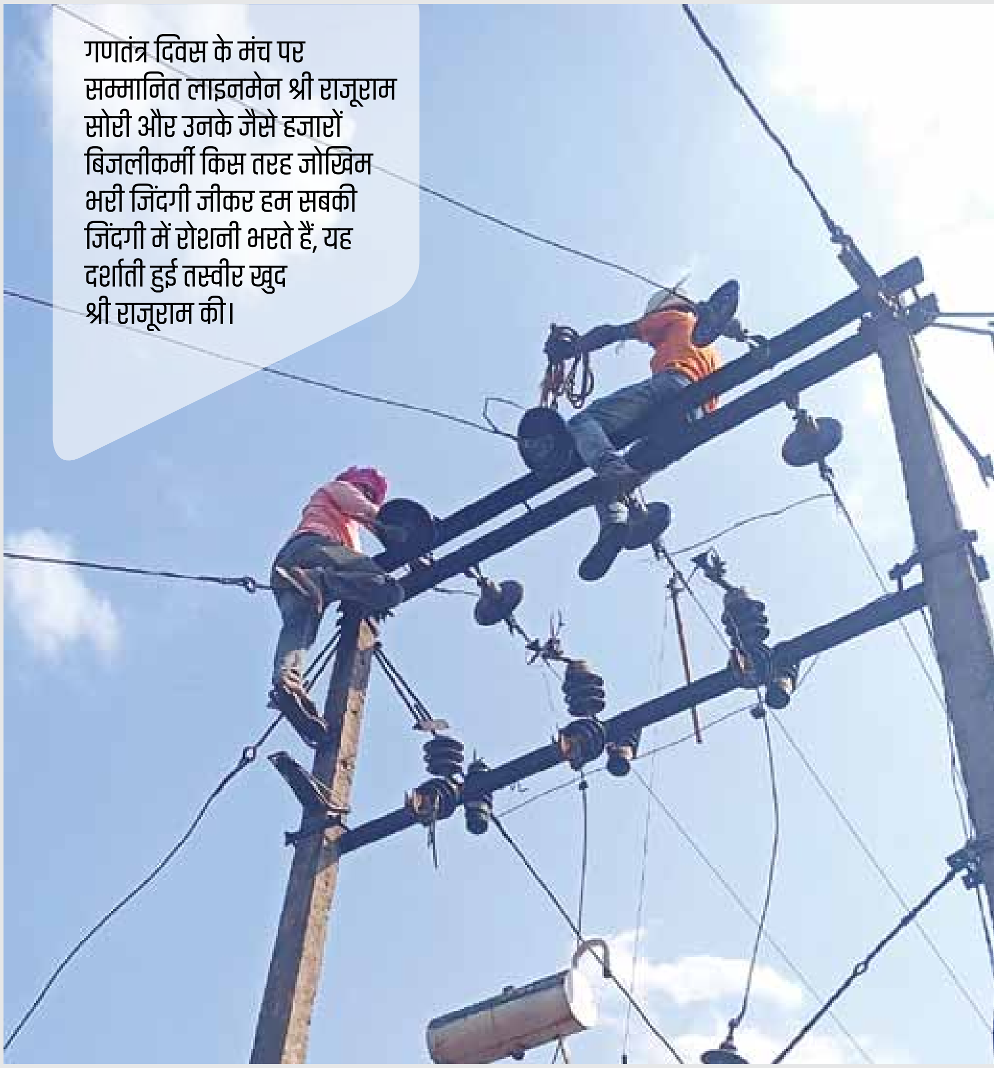

गणतंत्र दिवस के मंच पर सम्मानित लाइनमेन श्री राजूराम सोरी और उनके जैसे हजारों बिजलीकर्मी किस तरह जोखिम भरी जिंदगी जीकर हम सबकी जिंदगी में रोशनी भरते हैं, यह दर्शाती हुई तस्वीर खुद श्री राजूराम की।

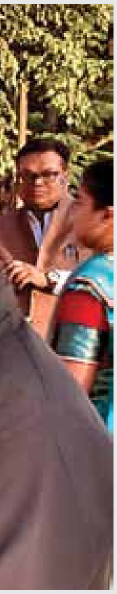

राजूराम की हिकमत से थमा ट्रांसफार्मरों का बिगड़ना

एक ओर घने जंगल व दुर्गम पहाड़ियां और दूसरी ओर संवेदनशील क्षेत्र की परेशानियां, ऐसे कठिन परिस्थितियों में असाधारण कार्य करना और उपलब्धियां हासिल करना अपने आप में एक नजीर है। ऐसी ही नजीर पेश की है लाइनमेन राजूराम सोरी ने। जिनके लगातार प्रयास से क्षेत्र में ट्रांसफार्मर खराब होने की दर में काफी कमी आई है।

श्री सोरी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के आमाबेड़ा वितरण केंद्र में परिचारक श्रेणी-02 (लाइन) के रूप में कार्यरत् हैं। उन्होंने वनांचल गांवों में आने वाले विद्युत अवरोधों को त्वरित गति से सुधारने के कार्य किया, साथ ही उस क्षेत्र में ट्रांसफार्मर फेल्योर रेट को कम करते हुए संवेदनशील क्षेत्र के खतरों को नजरअंदाज करते हुए बिजली बिल की बकाया राशि को वसूलकर विपरीत परिस्थितियों में बेहतर परिणाम देने का उदाहरण पेश किया है।

जगदलपुर परिक्षेत्र के कांकेर क्षेत्र के भानुप्रतापपुर के अधीन आमाबेड़ा वितरण केंद्र में श्री राजूराम सोरी कार्यरत हैं। अपनी टीम के साथ वे वितरण केंद्र में लाइन संधारण के साथ ही बिल वसूली जैसे कार्य करते हैं। इस वितरण केंद्र में 87 गांव आते हैं, जहां तकरीबन पांच हजार की आबादी को विद्युत आपूर्ति होती है। इस क्षेत्र में जंगल, पहाड़ी में बसे गांव हैं, जिनमें 263 ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। इन ट्रांसफार्मर से तीन सौ किसानों के खेतों में पंप कनेक्शन भी दिये गए हैं। श्री सोरी ने बताया कि वर्ष 2020-21 में इस क्षेत्र में लगभग 25 ट्रांसफार्मर फेल हुए थे। यह पिछले दो साल में कम हुए हैं। वर्ष 2022-23 में लगभग 10 ट्रांसफार्मर फेल हुए, जो फेल हुए उन्हें उन्होंने अपनी टीम के साथ सूझबूझ करा परिचय देते हुए ठीक करने का प्रयास भी किया। जिन ट्रांसफार्मर में गारंटी अवधि समाप्त हो गई थी, उन्हें अपने सीमित संसाधनों की सहायता से रिपेयर करने का कार्य उनकी टीम ने किया। इसके अलावा उन्होंने लक्ष्य बनाकर बकाया राशि वसूलने का कार्य अपनी टीम के साथ किया, जिसमें 30 हजार से 50 हजार रुपये राशि वालों को पहले समझाया गया। इसके बाद छोटी राशि वाले उपभोक्ताओं को बिल समय पर जमा करने जागरूक किया गया। इसका फायदा यह हुआ कि वितरण केंद्र में बकाया की स्थिति में काफी सुधार आया। उन्हें राज्य स्तर पर चेयरमेन श्री पी. दयानंद ने पुरस्कृत किया।

कंधे पर लाद कर ले गए बिजली के खंभे

श्री सोरी बारिश के दिनों का वह वाक्या याद है जब उनके वितरण केंद्र के अंतर्गत स्थित बीएसएफ का बेस कैंप में पिछले साल जुलाई की बारिश में सबसे बड़ी समस्या आई थी। जगंल के बीच पेड़ गिरने से आठ बिजली पोल गिर गए थे। वहां पहुंचना बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण था। फिर भी ग्रामीणों का सहयोग लेकर कंधे पर बिजली पोल लादकर कई किलोमीटर पैदल चले और इस लाइन को दुरूस्थ किया। उनकी इन उपलब्धियों में वितरण केंद्र के जूनियर इंजीनियर श्री समीर कुमार नियोगी, सहायक लाइनमेन श्री विदेशी ठाकुर, परिचारण लाइन श्रेणी-02 श्री राकेश यादव, परिचारण श्रेणी-03 श्री कमलेश मरावी सहित संविदाकर्मियों ने भी भरपूर सहयोग प्रदान किया।

बेस्ट परफार्मेंस के लिए पांच संभागों को 50-50 हजार रुपए का पुरस्कार-

न्यूनतम ट्रांसफार्मर फेल्योर

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालन अभियंता (संचारण एवं संधारण) संभाग बिलासपुर को। वित्तीय वर्ष2021-22 में ट्रांसफार्मर फेल्योर रेट 7.89 प्रतिशत थी उसे वित्तीय वर्ष 2022-23 में 4.82 प्रतिशत तक सीमित रखा, इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में ट्रांसफार्मर फेलुअर रेट 38.93 प्रतिशत कम करने का उल्लेखनीय कार्य किया।

सर्वोत्तम राजस्व प्रबंधन

कार्यपालन अभियंता (संचारण एवं संधारण) संभाग बलौदाबाजार को। गैर शासकीय निम्नदाब उपभोक्ताओं के विरूद्ध मार्च 2022 में बकाया राशि 11.88 करोड़ थी उसे मार्च 2023 मे कम करके 7.45 करोड़ लाया गया। इस प्रकार बकाया राशि अन्य संभागों की तुलना में सर्वाधिक 4.39 करोड़ कम करने का उल्लेखनीय कार्य किया।

सर्वोत्तम उपकेन्द्र संभाग

ईई उपकेन्द्र संभाग दो, रावणभाटा रायपुर को दिया गया।

ट्रांसमिशन कंपनी में सर्वोत्तम (लाईन संधारण) संभाग

कार्यपालन अभियंता (कर्मशाला) संभाग भिलाई-3 को। इसके अंतर्गत आने वाले 19 अतिउच्च दाब उपकेंद्रों का संचालन, संधारण एवं निर्माण कार्य सुचारू रूप से संचालित किए गए जिसके कारण रायपुर एवं महासंमुद, गरियाबंद एवं धमतरी जिले में सप्लाई व्यवस्था बनाये रखने में सफलता मिली।

सर्वश्रेष्ठ लाईन संधारण संभाग

कार्यपालन अभियंता(कर्मशाला) संभाग,भिलाई-3 को। इसके द्वारा पारेषण लाईनों के टॉवरों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में अल्प समय में टॉवर फेब्रिकेट कर उपलब्ध कराये गये जिससे क्षतिग्रस्त पारेषण लाइनों को शीघ्र ही पुनः ऊर्जीकृत किया जा सका।

सर्वश्रेष्ठ सिविल संभाग

कार्यपालन अभियंता(सिविल) संभाग,भिलाई-3 को। इसके द्वारा 132 केव्ही विद्युत उपकेंद्र छावनी तथा 220 केव्ही उपकेंद्र पाटन के समस्त सिविल कार्यों को उपलब्ध कर्मियों एवं संसाधनों से नियत सीमा में पूर्ण करने का कार्य किया गया।

सफलता का मंत्र

आपदा में अवसर : स्पष्ट लक्ष्य, सटीक योजना, टीम वर्क से रोका नुकसान और बनाया उत्पादन का नया कीर्तिमान

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह इकाई क्रमांक-1 के लगातार 178 दिनों तक संचालित रहने की गौरव-गाथा

गणतंत्र दिवस समारोह - 2024 में अध्यक्ष श्री पी. दयानंद से पुरस्कार ग्रहण करते अधीक्षण अभियंता श्री धर्मेंद्र बंजारे

अटल बिहारी वाजपेयी ताप इकाई-1 लगातार 178 दिनों तक संचालित रहने एवं 82 दिनों तक दोनों इकाईयॉं एक साथ संचालित रहने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। किसी वित्तीय वर्ष में इस वित्तीय वर्ष में अब तक का सर्वाधिक जनरेशन का रिकार्ड भी बनाया गया जिसमें निम्नलिखित बिन्दुओं की अहम भूमिका रही:-

29 अगस्त 2023 को इकाई क्रमांक-1, 480 मे.वा. लोड पर चल रहा था प्रात: कालीन पाली में अचानक CW Pump - 1A के मोटर बियरिंग में गलत रीडिंग के कारण CW Pump - 1A ट्रिप हो गया जिसके कारण इकाई-1 में आपातकाल की स्थिति बन गई थी जिसे संचालन टीम के अभियंताओं द्वारा अपनी सूझबूझ से तत्काल लोड एवं कोल फ्लो कम करके इकाई को ट्रिप होने से बचाया और CW Pump - 1A को पुन: चलाकर इकाई को सामान्य स्थिति में लाया गया।

संचालन में पाली में कार्यरत अभियंताओं की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित की गयी एवं आपात स्थिति में पाली के अभियंताओं को विशेष समस्या आने पर छुट्टी में चले जाने के बाद भी पाली में कार्य हेतु अधीक्षण अभियंता (संचालन) द्वारा अभियंताओं की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित किया गया एवं विभाग प्रमुख द्वारा इस दौरान रायपुर द्वारा संचालित ट्रिपिंग एनालिसिस द्वारा सुझाये गये Remedial Action के बारे में अवगत कराया गया,

जिससे संचालन में मदद मिला एवं इकाई को ट्रिप होने से बचाया गया। ORT मिटिंग के दौरान उच्च अधिकारियों (कार्यपालक निदेशक, एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं) द्वारा दिये गये सभी निर्देशों का पालन करवाया गया एवं प्लांट को सुचारु रूप से चलाया गया जैसे मेटल टेम्परेटर, अटेम्परेसन कन्ट्रोल इत्यादि को मेंटेन करवाया गया, जिससे ट्यूब लिकेज की संभावनाओं को कम किया गया।

अधीक्षण अभियंता द्वारा सभी कार्यपालन अभियंताओं को लोकल एरिया में राउण्ड लेने एवं मशीनों के Healthiness को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। असामान्य स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग को सूचित किया गया एवं ऑक्जलरी का चेंज ओवर कर स्थिति को सामान्य किया गया, जिससे कि यूनिट ट्रिप होने की संभावनाओं को कम किया गया। कार्यपालन अभियंता द्वारा सभी लोकल स्टॉफ को अपने कार्यस्थल में सतर्क रहने एवं विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया पाली में कम स्टॉफ होने की स्थिति में सामान्य पाली में जिनकी ड्यूटी थी, उन्हें भी ड्यूटी लगायी गयी एवं पाली में सामान्य स्थिति बनाकर रखा गया।

इकाई क्रमांक 1 एवं 2 में साफ्ट क्लिंकर बनने (ऐश डिपाजिशन) की स्थिति उत्पन्न हुई, जिसे BMD, Oprn. & AHP के अधिकारियों की Ash depositions मॉनिटिरिंग टीम बनाकर मॉनिटिरिंग की गई डिपाजिशन की स्थिति में लोड कम करके BMD द्वारा पोकिंग का कार्य किया गया एवं इकाई को सामान्य किया गया, जिससे इकाइयों को निरंतर चलाने में मदद मिली।

इस दौरान कोल हैण्डलिंग प्लांट (CHP) में विभिन्न समस्या जैसे रिपलेस्मेंट एवं पावर पैक की समस्या के बावजूद संचालन विभाग द्वारा कोल फिडिंग के अनुसार लोड चलाया गया और उत्पादन को सतत् रखा गया एवं मेंटेनेन्स हेतु पर्याप्त समय उपलब्ध कराया गया।

मेंटेनेंस विभाग के शेड्यूल के अनुसार (Preventive) मेंटेनेंस हेतु ऑक्जलरी में परमिट दिया गया एवं ऑक्जलरी की healthiness सुनिश्चित की गई एवं ब्रेक डाउन की स्थिति निर्मित नहीं हुई, जिससे लगातार यूनिट को चलाया गया।

संयंत्र को सुचारु रूप से चलाने के लिए कर्मचारियों की कमी को आउट सोर्सिंग के माध्यम से पूरा किया गया।

खान सुरक्षा के लिए 'गारे पेलमा' पुरस्कृत

भारत सरकार के केन्द्रीय खान सुरक्षा महानिदेशालय ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए लगातार दूसरे साल प्रथम पुरस्कार प्रदान किया है। यह पुरस्कार वर्ष 2023 में 2 मिलियन से 5 मिलियन टन की क्षमता की खुली खदान श्रेणी के लिए दिया गया है। इसके अलावा इस खदान को तीन और श्रेणियों (जनरल सेफ्टी, प्रकाश व्यवस्था एवं डस्ट सेपरेशन) में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। साथ ही खनन संक्रिया (माइनिंग वर्किंग), डंप मैनेजमेंट तथा पुनर्भरण (रिक्लीमिनेशन) व नवाचार (इनोवेशन) की तीन अलग-अलग श्रेणियों में द्वितीय पुरस्कार दिये हैं। इस उपलब्धि के लिए पावर कंपनी के चेयरमैन पी. दयानंद ने जनरेशन कंपनी की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के मुख्यालय डंगनिया स्थित सेवाभवन में चेयरमेन श्री पी. दयानंद को जनरेशन कंपनी के अधिकारियों ने उक्त पुरस्कार की ट्राफी सौंपी। इस मौके पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार, कार्यपालक निदेशक (सिविल-प्रोजेक्ट-1) श्री एमआर बागड़े एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल-माइनिंग एजेंट) श्री डी नाथ उपस्थित थे। गौरतलब है कि खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी कोल ब्लाक की वार्षिक समीक्षा कर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत करता है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन खान सुरक्षा महानिदेशालय ने वार्षिक सुरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन दीपका (कोरबा) में किया। इस वर्ष इस आयोजन की जिम्मेदारी खान सुरक्षा महानिदेशालय एवं साउथ ईस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, एनटीपीसी व निजी क्षेत्र के कोयला संस्थानों द्वारा वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा किया गया। इस समारोह में खान सुरक्षा महानिदेशालय के महानिदेशक प्रभात कुमार मुख्य अतिथि एवं एसईसीएल के सीएमडी प्रेमसागर मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वर्ष 2023 में जनरेशन कंपनी को चार श्रेणियों में पुरस्कार मिले, जिसमें ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही तीन द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए। जिसमें से सुरक्षा के लिए प्रयोग में लाए जा रहे नवाचार के लिए 25 हजार रुपए नगद राशि के साथ पुरस्कार प्रदान किया गया। जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री कटियार ने कहा कि कोल उत्खनन का कार्य सभी सुरक्षा मानकों को पालन करते हुए निरंतर पांच वर्षों से किया जा रहा है। शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर आगे खनन का कार्य जारी रखे हुए है।

जनरेशन कंपनी को गारे पेलमा कोयला खदान आबंटित किया गया है, जहां 2019-20 से ओपन कास्ट माइनिंग की जा रही है। यहां से जनरेशन कंपनी के अटल बिहारी वाजपेयी थर्मल पॉवर स्टेशन मड़वा (1000 मेगावाट) को कोल आपूर्ति की जाती है। जनरेशन कंपनी के अधिकारियों के सुपरविजन में जीपी III सी एल (गारे पेलमा III कंपनी लिमिटेड) द्वारा गारे पेलमा सेक्टर –III से कोयला उत्खनन का कार्य किया जा रहा है।

मड़वा ने बनाया नया कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा निरंतर ऊंचाइयों को छू रहा है। विद्युत संयंत्र ने 44 दिन पहले ही सर्वाधिक विद्युत उत्पादन के पुराने रिकार्ड को ध्वस्त कर दिया है। विद्युत संयंत्र ने बीते 16 फरवरी को 6429.74 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर पुराने रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है। अभी वित्तीय वर्ष के 44 दिन शेष हैं, जिसमें विद्युत संयंत्र नया कीर्तिमान बनाने की ओर अग्रसर है।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 500-500 मेगावॉट की आधुनिक दो विद्युत इकाइयां संचालित हैं। एबीवीटीपीएस के कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा ने बताया कि विद्युत संयंत्र की इकाई क्रमांक एक ने 178 दिन तक लगातार सर्वाधिक लंबे अवधि तक विद्युत उत्पादन का रिकार्ड भी बनाया है। विद्युत संयंत्र ने दिसंबर तक डेविएशन सेटलमेंट मेकेनिजम (डीएसएम.) से 37.77 करोड़ की बचत की है। कार्यपालक निदेशक ने इस सफलता पर कहा कि विभिन्न समस्यों एवं कई चुनौतियों का सामना करते हुए यह सभी के सतत प्रयास और संयुक्त रूप से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है।

मेरा संस्थान-मेरी शान-1

SCADA

सुपरवाइजरी कन्ट्रोल एण्ड डेटा एक्वीजिशन सेंटर

विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय किए जाने हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा शहरी क्षेत्रों में स्थापित विद्युत अधोसंरचना का अत्याधुनिकीकरण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा 24×7 निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय किए जाने हेतु विद्युत वितरण प्रणाली के क्षेत्र में हो रहे अत्याधुनिक तकनीकी विकास को ग्राह्य कर रायपुर एवं दुर्ग-भिलाई-चरोदा में 70 करोड़ की लागत से मध्य भारत का सबसे बड़ा "कन्ट्रोल सेन्टर सुपरवाईजरी कन्ट्रोल एण्ड डेटा एक्वी जिशन" स्काडा (SCADA) की स्थापना की गई है।

स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर की स्थापना से 33/11 KV उपकेंद्रों से निर्गमित 11KV फीडरों में स्थापित किये गये 'रिंग मेन यूनिट' के रिमोट संचालन से फीडरों के विद्युत बाधित होने की स्थिति में अधिकतम क्षेत्रों की बाधित विद्युत की बहाली स्काडा कन्ट्रोल सेंटर के माध्यम से न्यूनतम समय में किया जाता है। इसके साथ विद्युत

'मेरा संस्थान-मेरा गौरव' छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अंतर्गत अनेक संस्थाएं कार्यरत हैं, जो न सिर्फ तकनीकी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, कार्यकुशलता, टीम वर्क की दृष्टि से अपने आप में अद्भुत हैं, बल्कि उनके योगदान से एक ओर जहां छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों को लाभ मिलता है, वहीं दूसरी ओर विद्युत उपभोक्ताओं को सुविधा और राहत भी मिलती है। पत्रिका 'संकल्प' में ऐसी विभिन्न संस्थाओं, इकाइयों के संबंध में जानकारी क्रमश: प्रकाशित की जाएगी, जिससे विद्युतकर्मियों के साथ ही संकल्प के पाठक भी विद्युत कंपनियों के विभिन्न आयामों के बारे में अवगत हों। ऐसी विभिन्न इकाइयों के प्रभारियों से आग्रह है कि वे अपनी संस्थाओं की स्थापना से लेकर वर्तमान कार्यप्रणाली तक के बारे में आलेख इस स्तंभ के लिए प्रेषित करें। **- संपादक**

वितरण कंपनी के राजस्व में वृद्धि व एटी. एन.सी. हानि में कमी संभव हुई है।

रायपुर शहर में स्थापित स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर से 67 नग 33/11 KV उपकेंद्रों से निगर्मित होने वाले लगभग 300 नग 11KV फीडरों को रिमोट पद्धति से संचालन किए जाने हेतु 273 नग ''रिंग मेन यूनिट'' (RMU) स्थापित किया गया है एवं दुर्ग-भिलाई-चरोदा शहर हेतु स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर रूआबांधा सेक्टर से दुर्ग-भिलाई-चरोदा क्षेत्रों के 32 नग उपकेंद्रों से निर्मित होने वाले 150 नग 11KV फीडरों में 248 नग "रिंग मेन यूनिट" (RMR) स्थापित किया गया है।

स्काडा सेंटर की स्थापना होने से विद्युत वितरण प्रणाली में उल्लेखित योगदान परिलक्षित हो रहा है। आंधी तूफान एवं खराब मौसम से प्रभावित विद्युत बाधित फीडरों को बहाल करने में लगने वाले समय में कमी आई है। इस प्रकार "घंटों का कार्य मिनटों में" पूर्ण करने की क्षमता के कारण विद्युत उपभोक्ताओं को 24×7 घंटे विद्युत प्रदाय करने में सहायता मिल गई है। स्काडा सेन्टर की स्थापना से अनवरत एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय के साथ-साथ स्थापित विद्युत अधोसंरचना एवं उपकरणों की मॉनीटरिंग भी उन्नत तकनीक से की जाती है जिसके अंतर्गत 24 घंटे प्रदान की जाने वाली विद्युत भार की गणना एवं स्थापित उपकरणों में दर्ज होने वाले आवश्यक पैरामीटर की लगातार जानकारी स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर को प्राप्त होती है, जिससे सुदृढ़ विद्युत अधोसंरचना के निर्माण के संबंध में निर्णय लेने में उल्लेखनीय योगदान मिल रहा है। कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान अत्यंत कम मानव संसाधन के साथ स्काडा प्रणाली की सहायता से रायपुर व भिलाई-दुर्ग-चरोदा में निर्बाध व निरंतर विद्युत प्रदाय करने में सफलता प्राप्त की गई।

स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर को सैप (SAP) प्रणाली से संयोजित कर फीडरों के व्यवधान एवं बहाली की सूचना संबंधित उपभोक्ताओं को तत्काल दी जाती है। स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर "स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर" (SLDC) से भी संयोजित है, जिससे उक्त क्षेत्रों की अधिकतम मांग एवं अन्य तकनीकी जानकारी राज्य के स्टेट लोड डिस्पैच सेन्टर को प्राप्त हो जाती है।

रिमोट कंट्रोल आधारित कंप्यूटरीकृत स्वचालित केंद्रीकृत व्यवस्था से घंटों का काम मिनटों में संभव

स्काडा सिस्टम एक रिमोट कंट्रोल आधारित कंप्यूटरीकृत स्वचालित केंद्रीकृत व्यवस्था है, जिसके माध्यम से विद्युत वितरण हेतु स्थापित लाइनों एवं उपकरणों की निगरानी और नियंत्रण किया जाता है। जीवन को सरल बनाने में प्रौद्योगिकी का बहुत महत्व होता है। विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण प्रणाली के बीच बेहतर सामंजस्य से उपभोक्ता संतोष का बहुत ही गहरा रिश्ता है, इस रिश्ते को साधने के लिए स्काडा प्रणाली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारी विद्युत वितरण प्रणाली सामान्यत: खुले आसमान के नीचे होती है, जिस पर स्थापित उपकरणों पर विद्युत भार के साथ साथ मौसम के रंगों, आंधी, तूफान बारिश,के प्रभाव से विद्युत प्रवाह में अवरोध उत्पन्न होता है।

"स्काडा" के माध्यम से वितरण तंत्र को ऐसे संचालित किया जाता है कि मैदानी क्षेत्रों में होने वाले अवरोधों को उपकरणों/लाइनों में स्थापित सेंसरों एवं संचार प्रणाली के माध्यम से केंद्रीकृत स्काडा कंट्रोल सेंटर में लगे कंप्यूटर स्क्रीन पर देखा और परखा जा सकता है और प्राप्त सूचना के आधार पर उसे कार्रवाई की जा सकती है।

वर्तमान में रायपुर एवं दुर्ग-भिलाई-चरोदा शहर में स्काडा की स्थापना की जा चुकी है, जिसके पश्चात् उन शहरों में किसी भी आपात स्थिति से निपटने और प्रणाली को सुरक्षित बनाए रखने के लिए हमारा रिस्पॉन्स टाइम बहुत कम हो गया है। पहले जिस कार्य जिस सुधार कार्य में घंटों लगते थे,वह अब कुछ मिंनट में ही करना संभव हुआ है।

- मनोज खरे
प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी

अंतरक्षेत्रीय पॉवर कंपनीज़ खेल स्पर्धाओं का दौर

बिजलीकर्मियों में ऊर्जा और उमंग का संचार

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियां यद्यपि उत्पादन, पारेषण, वितरण जैसी तीन कंपनियों के नाम से जानी जाती है, लेकिन अंतरक्षेत्रीय पॉवर कंपनीज़ खेल स्पर्धाओं के दौरान तीनों कंपनियों के अधिकारी, कर्मचारी एक रंग में रंगे नजर आते हैं। खिलाड़ी भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ओतप्रोत तीनों कंपनियों के खिलाड़ी कभी आपस में भिड़ते हैं तो कभी अन्य कार्य करने वाली कंपनी की टीम के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस आयोजन की खास बात यह है कि इसमें जीतने और हारने वाले की पहचान किसी कंपनी के कारण नहीं होती क्योंकि खेल के मैदान में सभी कंपनियों की टीमों को एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने का भरपूर अवसर मिलता है। वितरण कंपनी की टीम वितरण कंपनी के अन्य क्षेत्र की टीम से भी भिड़ सकती है और किसी विद्युत गृह की टीम किसी दूसरे विद्युत गृह की टीम से भी हार या जीत सकती है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के मुख्यालय में स्थित केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद इन आयोजनों की सूत्रधार होती है। खेल प्रतियोगिताएं 13 विधाओं में निर्धारित की जाती है। अलग-अलग विधा की स्पर्धा की मेजबानी की जिम्मेदारी भी अलग-अलग क्षेत्रीय कार्यालय या विद्युत गृह को दी जाती है।

केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद द्वारा वर्ष 2023-24 के आयोजनों के लिए निर्धारित की गई मेजबानी इस प्रकार है...

खेल	आयोजक
फुटबाल	कोरबा पश्चिम
बैडमिंटन	बिलासपुर
शतरंज	केन्द्रीय कार्यालय
कैरम	दुर्ग
लॉन टेनिस	रायपुर
व्हालीबॉल	मड़वा
क्रिकेट	बिलासपुर
हाकी	राजनांदगांव
कबड्डी	कोरबा पूर्व
टेबल टेनिस	कोरबा पूर्व
भारोतोलन/शरीर सौष्ठव	रायपुर
सांस्कृतिक स्पधायें	जगदलपुर
ब्रिज	केंद्रीय कार्यालय

मड़वा में अंतरक्षेत्रीय वॉलीबॉल स्पर्धा

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र के आवासीय परिसर स्थित खेल मैदान में 08 से 10 फरवरी तक तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज अंतरक्षेत्रीय वॉलीबॉल स्पर्धा का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में डीएसपीएम कोरबा पूर्व की टीम ने एचटीपीएस कोरबा पश्चिम को 3-2 से हराकर अपने माथे पर विजय तिलक लगाया।

समापन समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रवीण श्रीवास्तव उपस्थित थे। मैच में राजकुमार वर्मा ने लगातार कमेंटरी कर दर्शकों को हास्य-विनोद के साथ रोमांचित किया।

राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए चुने गए 18 खिलाड़ी चयनित

कार्यपालक निदेशक श्री बंजारा ने समापन समारोह में सेंट्रल आब्जर्वर हितेश महानंद की मौजूदगी में राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए चुने गए 18 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। इनमें सर्वश्री नीरज वर्मा, अभिषेक नायडू, शैलेंद्र पैकरा, संतोष पैकरा, राजेश शर्मा, खेलन यादव, अनिल बेग, गजानंद नेताम, शैलेष देवांगन, कृष्णपाल कंवर, सतीश चौधरी, प्रशांत उरांव, रमेश खम्हारी, अतुल राय, निशांत देवांगन, विनय कुमार कर, दिनेश देवांगन और परदेस कुमार शामिल हैं।

दुर्ग क्षेत्र में अंतरक्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता

दुर्ग क्षेत्र द्वारा अंतरक्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन 9-11 जनवरी तक किया गया। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कपनीज के अंतर्गत आने वाले विभिन्न रीजन की नौ टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता सर्वश्री एम. जामुलकर, बी.आई.टी दुर्ग के प्रिसिंपल डॉ. अरूण अरोरा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंता सलिल कुमार खरे, श्री तरुण ठाकुर, एस. के भूआर्य, छत्तीसगढ़ कैरम संघ के सचिव विजय कुमार, आलोक गुहा उपस्थित थे।

इस तीन दिवसीय अंतरक्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता का परिणाम

स्पर्धा	विजेता	उप-विजेता
महिला एकल	शकुंतला कारक (दुर्ग)	श्रीमती कंचन महेश ठाकुर (रायपुर सेंट्रल रीजन)
महिला युगल	श्रीमती कंचन महेश ठाकुर एवं नमिता जैन (रायपुर सेंट्रल रीजन)	श्रीमती शकुंतला कारक एवं श्रीमती सनीली चौहान (दुर्ग)
पुरुष एकल	श्री विनोद राठौर (कोरबा पूर्व)	श्री एसके मोदी (बिलासपुर)
पुरुष टीम चैम्पियनशिप	जगदलपुर रीजन	बिलासपुर रीजन

कैरम में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी

अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल के तत्वाधान में आयोजित होने वाली अंतर्विद्युत मण्डलीय कैरम प्रतियोगिता हेतु 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। पुरुष वर्ग में कोरबा पूर्व रीजन के श्री विनोद राठौर, बिलासपुर रीजन के श्री एसके मोदी, दुर्ग रीजन के श्री पी नागेश्वर राव, कोरबा पश्चिम के श्री आरपी लोधी, जगदलपुर रीजन के श्री सलीम खान, श्री एम मार्लिन, श्री कमलेश ठाकुर एवं श्री अनवर अली का चयन किया गया है। महिलाओं की टीम में दुर्ग रीजन की श्रीमती शकुंतला कारक, रायपुर सेंट्रल रीजन की श्रीमती महेश कंचन ठाकुर एवं श्रीमती नमिता जैन तथा रायपुर रीजन की श्रीमती रीना पुरी गोस्वामी का चयन किया गया है।

कोरबा पूर्व में अन्तरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता

अन्तरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन डीएसपीएम कोरबा पूर्व में 15 से 17 फरवरी तक किया गया इसमें 9 क्षेत्रीय टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें विजेता कोरबा पश्चिम एवं उप-विजेता बिलासपुर की टीम रही। इस आयोजन में मुख्य अभियंता (उत्पादन) डॉ. हेमंत सचदेवा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव कंसल, (संचारण एवं संधारण), राजेश्वरी रावत, आशीष श्रीवास्तव एवं एलएन सूर्यवंशी, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य रसायनज्ञ गोवर्धन सिदार उपस्थिति रहे। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय रेफरी बाबूलाल चंद्रा, बसंत कुमार भोंसले स्कोरर संजय ठाकुर एवं टेबल स्टेट रेफरी सुमित सिंह थे। प्रतियोगिता के संपादन में, संयंत्र के अधिकारी/कर्मचारी एवं यूनियन के पदाधिकारी, उपस्थित रहे। मैच में मंच का संचालन घनश्याम साहू एवं टीपी गुप्ता द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में, एसके डेविड, सरोज राठौर, विनोद राठौर, चन्द्रशेखर जायसवाल, महिपाल कैवर्त का योगदान रहा।

राजनांदगांव क्षेत्र में अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता

राजनांदगांव क्षेत्र में 21 से 23 फरवरी तक अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कंपनीज के 07 टीमों ने हिस्सा लिया। इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम के एस्ट्रोटर्फ मैदान में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अभियंता श्री टी. के. मेश्राम ने शील्ड व ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता श्री एस.के. शर्मा, श्री के.सी. खोटे, सचिव कार्यपालन अभियंता श्री बीरबल उइके, कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. चन्द्राकर, श्री एम.के. साहू, श्री आलोक दुबे, श्री आर.के. गोस्वामी, श्री एन.के. साहू,, पीआरओ श्री डी.एस. मंडावी, श्री डी. दिलेश्वर राव, श्री अनिल मिंज, श्री चन्द्रभान ठाकुर, श्री हिरदेर राम कंवर, श्री वीरेन्द्र देवांगन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। निर्णायक मंडल के श्री अनुराज श्रीवास्तव, श्री किशोर धीवर, श्री शकील अहमद, श्री कृष्णा यादव, श्री गुमान साहू, एवं श्री अभिनव मिश्रा को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। 07 टीमों में से 25 खिलाड़ियों को अखिल भारतीय विद्युत मंडल प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। कार्यक्रम का संचालन पीआरओ श्री धर्मेन्द्र शाह मंडावी एवं कला परिषद के सचिव श्री बीरबल उइके आभार किया गया।

विजेता
कोरबा पश्चिम

उपविजेता
राजनांदगांव

बिलासपुर में अन्तरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता

अंतरक्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर में 15 से 21 जनवरी तक हुआ। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री ए.के.धर एवं द.पू.म.रेल्वे के वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री हिमांशु जैन, अधीक्षण अभियंता श्री ए.के.लखेरा, श्री जी.पी.सोनवानी, श्री अमर चौधरी, श्री सुरेश जांगड़े, श्री वाय.के.मनहर एवं कार्यपालन अभियंता श्री राजेश कुमार चौहान, श्री एच.के.मंगेशकर, श्री सी.एम. कुमार, श्री हेमंत चंद्रा, श्री पी.व्ही.एस.राजकुमार, श्री मकेश्वर साय केन्द्रीय पर्यवेक्षक श्री वीरेन्द्र पाठक तथा प्रकाशन अधिकारी श्री मुकेश माथुर उपस्थित रहे।

स्पर्धा	टीम
विजेता	रायपुर सेंट्रल,
उपविजेता	कोरबा पूर्व
बेस्ट प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट	रोहित वर्मा(रायपुर सेंट्रल
बेस्ट बैट्समेन	विश्वास वैष्णव(रायपुर सेंट्रल)
बेस्ट बॉलर	रोहित वर्मा(रायपुर सेंट्रल)
बेस्ट फील्डर	महेश ठाकुर
बेस्ट विकेटकीपर	ऐश्वर्य पाठक

रायपुर में अखिल भारतीय विद्युत ब्रिज टूर्नामेंट

45 अखिल भारतीय विद्युत ब्रिज टूर्नामेंट रायपुर की मेजबानी में 9-11 जनवरी तक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन कंपनी श्री मनोज खरे, प्रबंध निदेशक जनरेशन कंपनी श्री एस के कटियार, भूतपूर्व मुख्य प्रबंधक निदेशक भिलाई स्टील प्लांट श्री विनय कुमार चतुर्वेदी, कार्यपालक निदेशक वित्त एव क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव श्री एम एस चौहान, श्री अशोक वर्मा समेत टीम के खिलाड़ी एवं पॉवर कंपनी के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। ब्रिज टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की ओर से श्री एसके कटियार, श्री हेमंत सचदेवा,श्री डी के तुली, श्री हरीश चौहान, श्री जेएन सिकदर और श्री संचार नाथ ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।

ब्रिज टूर्नामेंट का परिणाम

स्पिर्धा	विजेता	उप-विजेता
टीम इवेंट	छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी	सीईएससी पश्चिम बंगाल
मास्टर पेयर	तमिलनाडु	छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी
डुप्लीकेट	छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी	सीईएससी पश्चिम बंगाल
प्रोग्रेसिव	सीईएससी पश्चिम बंगाल	छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी

जगदलपुर में अन्तरक्षेत्रीय सुगम संगीत प्रतियोगिता

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, विद्युत कंपनी रायपुर के तत्वावधान में अंतरक्षेत्रीय सुगम संगीत एवं स्वरचित काव्य स्पर्धा वर्ष 2023-24 जगदलपुर में 29-30 जनवरी तक सम्पन्न हुआ। समारोह जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एसके ठाकुर के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।

स्पर्धा	वर्ग	विजेता	उपविजेता
स्व-रचित काव्य पाठन	महिला	श्रीमती रमा पाण्डेय (मड़वा)	श्रीमती प्रीति साहू (रायपुर केंद्रीय)
	पुरुष	श्री अजय कुमार साहू (मड़वा)	श्री ओम प्रकाश मिश्रा (मड़वा)
वाद्ययंत्र वादन	महिला	सुश्री दीपाली गुप्ता (मड़वा)	श्रीमती राखी तंबोली (मड़वा)
	पुरुष	श्री एनके दीवान (रायपुर)	श्री सतीश कुमार यदु (मड़वा)
तालवाद्य यंत्र वादन	पुरुष	श्री विकेश कुमार (मड़वा)	श्री योगेश कुमार ध्रुव (जगदलपुर)
फिल्मी गायन	महिला	सुश्री दीपाली गुप्ता (मड़वा)	श्रीमती सोनल मिश्रा (रायपुर)
फिल्मी गीत-गायन	पुरुष	श्री संदीप भगत (मड़वा)	श्री बृजेश अग्रवाल (मड़वा)
गैर-फिल्मी गीत	महिला	सुश्री दीपाली गुप्ता (मड़वा)	डॉ. हेमलता तिवारी पाठक (रायपुर)
	पुरुष	श्री सतीश कुमार यदु (मड़वा)	श्री पी. श्रीधर (रायपुर)

परिचयावली

डॉ. हेमंत सचदेवा

कार्यपालक निदेशक,
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व

अभियंता का जीवन बहुत जटिलताओं से भरा होता है। संगीत, खेलकूद विशेषकर टेबल टेनिस व तैराकी में विशेष रुचि रही। मेरा मानना है कि अपनी आजीविका के अलावा अन्य क्षेत्रों में रुचि से हमारा जीवन आसान हो सकता है।

डॉ. हेमंत सचदेव का जन्म 4 जुलाई 1962 को राघवगढ़ (मध्यप्रदेश) में हुआ। उनके पिता का नाम स्व. श्री एस.एल. सचदेव एवं माता का नाम श्रीमती विद्यावती सचदेव है।

उन्होंने वर्ष 1978 में हायर सेकेण्डरी की परीक्षा मॉडल स्कूल भोपाल मध्यप्रदेश से उत्तीर्ण की। वर्ष 1983 में बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी से बी.ई. मैकेनिकल की उपाधि प्राप्त की। पढ़ाई के साथ संगीत में विशेष अभिरुचि होने के कारण डॉ. सचदेव ने वर्ष 1988 में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से एम. म्यूज (मास्टर ऑफ म्यूजिक) में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। उनकी पत्नी श्रीमती सविता सचदेव उच्च शिक्षित हैं उन्होंने एम.एस.सी व एम. फिल की उपाधि अर्जित कर गृहिणी के रूप में जीवन बिताना स्वीकार किया। उनकी सुपुत्री अर्पिता सचदेव फाइनेंस में एम.बी.ए कर अभी मैक्स लाईफ कंपनी में चीफ मैनेजर हैं। उनके सुपुत्र श्री मनन सचदेव एम.बी.ए. कर हैदराबाद की स्टार्ट-अप कंपनी में मैनेजर हैं।

डॉ. सचदेव ने मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल में प्रशिक्षु के रूप में वर्ष 1984 में कार्य ग्रहण किया। एक वर्ष के प्रशिक्षण उपरान्त उन्हें सहायक अभियंता के नियमित पद पर एच.टी.पी.एस. कोरबा पश्चिम में पदस्थ किया गया। इस पद पर संचालन 2×210 मेगावॉट एच.टी.पी.एस में चार वर्ष, मुख्य अभियंता (उत्पादन) एच.टी.पी.एस. कार्यालय में 11 वर्ष व इंटरनल सीएचपी एच.टी.पी.एस में पाँच वर्ष की सेवाएँ दी। वर्ष 2005 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर बांगो जल विद्युत परियोजना में पदस्थ किये गये। इस पद पर मेंटेनेंस प्लानिंग एच.टी.पी.एस. में भी अपनी सेवाएँ दी। डॉ. सचदेव को मुख्यालय में भी कार्य का बहुत अनुभव है। उन्होंने उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन रायपुर के कार्यालय में मैनेजर के पद पर कुल 9 वर्षों तक कार्य किया। वर्ष 2017 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर एस.एण्ड पी. जनरेशन के कार्यालय में कार्यरत रहे। वर्ष 2021 में उन्हें अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद का दायित्व सौंपा गया। इस पद पर पी.आर.जी. व फ्यूल मैनेजमेंट रायपुर के कार्यों को गति प्रदान करते रहे।

डॉ. सचदेव वर्ष 2023 मे मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नत हुए। फ्यूल मैनेजमेंट विभाग की महती जिम्मेदारियां का निर्वहन करते रहे। वर्ष 2024 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पर पर पदोन्नति प्राप्त कर डी.एस.पी.एम संयंत्र के विकास कार्यों में संलग्न हैं। सेवा यात्रा के दौरान डॉ. सचदेव को अनेक विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने धैर्य व सूझबूझ से अपनी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाई। वर्ष 2005-2007 के कार्यकाल में मिनीमाता जल विद्युत परियोजना बांगो को प्रथम बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उन्होंने 45वें अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मंडल द्वारा आयोजित ब्रिज प्रतियोगिता में वर्ष 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। कार्य और खेल के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने सेवायात्रा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किए।

डॉ. एच.एल. पंचारी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी
मुख्यालय, डंगनिया, रायपुर

पेंच में अभावों के बीच सेवा करने की चुनौती थी, जिस पर खरा उतरना अपने आप में संतोष का विषय रहा। वहीं विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान सेवा का अवसर मिलना जीवन में सबसे बड़े संयोग और संतोष का विषय बन गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ डॉ. एच.एल. पंचारी का जन्म 5 जुलाई 1963 को जटकन्हार (डोंगरगढ़) जिला राजनांदगांव में हुआ। आपकी माता श्रीमती रमशीला पंचारी एवं पिता श्री उदय राम पंचारी से सुसंस्कार प्राप्त कर जीवन पथ पर अनवरत आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। बचपन से ही सहज,सौम्य और मददगार व्यक्तित्व होने के कारण आपका रूझान सेवा और मानव कल्याण मे रहा, इस हेतु आपने चिकित्सा क्षेत्र में अपने कदम बढ़ाये और वर्ष 1983 में पीएमटी की परीक्षा उतीर्ण कर डॉक्टर बनने के लिए अपनी पहली सफलता हासिल की।आपका चयन गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में हुआ। वर्ष 1989 में आपने एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त की।

आपके परिवार में पत्नी श्रीमती नीलमणी पंचारी भी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी हैं। आपकी पत्नी डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग करने उपरान्त छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी औषधालय में स्टाफ नर्स के पद पर पदस्थ थीं। आपकी सुपुत्री नेहा एम. कॉम कर शिक्षिका के रूप में नागपुर में पदस्थ हैं। आपकी द्वितीय सुपुत्री एंजल बीडीएस कर स्वयं का डेंटल क्लिनिक संचालित कर रही है।

पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ आपने अपने कार्यस्थल की जिम्मेदारियों को निर्वहन करते रहे। चिकित्सा अधिकारी के पद पर पेंच जल विद्युत गृह औषधालय तोतलाडोह जिला नागपुर से वर्ष 1993 से अपने करियर की शुरूआत की। इस पद पर आप 7 वर्ष तक कार्यरत रहे। वर्ष 2000 में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी व वर्ष 2008 में सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पेंच जल विद्युत गृह औषधालय नागपुर में ही कार्यरत रहे। वर्ष 2009 में स्थानांतरण उपरान्त कोरबा पूर्व के केटीपीएस चिकित्सालय में अपनी सेवाएं देते रहे। वर्ष 2011 में अति मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नित प्राप्त कर विद्युत कर्मियों के स्वस्थ्य संबंधी जांच, परीक्षण और चिकित्सा परामर्श कार्यों मे लीन रहें। आपको वर्ष 2012 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी का प्रभार सौंपा गया, जिसके परिपालन में आप रायपुर औषधालय में कार्यरत रहे। वर्ष 2014 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त करतें हुये आज तक विद्युत अधिकारी,कर्मचारी एवं परिवारजनों के स्वस्थ्य संबंधी कार्यों में उत्तम सुविधाएं देने प्रयासरत हैं। औषधालय की संपूर्ण प्रबंधन, दवाइयों की उपलब्धता, समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, पंजीकृत अस्पतालों से समन्वय और गुणवत्ता का परिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को आप निरंतर संपादित करते आ रहे हैं।

कैशलेस की टीम को स्पेशल अचीवमेंट अवार्ड

वर्ष 2014 के पूर्व से ही छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनियों के विभिन्न अधिकारी/कर्मचारी संघ-संगठन लगातार कैशलेस चिकित्सा की मांग कर रहे थे। पूर्व में कई बार इस विषय में योजना बनाई गई परंतु लागू नहीं हो सकी। अंत में इस टीम ने देश के विभिन्न पॉवर कंपनियों और सरकारी उपक्रमों में लागू कैशलेस योजना का अध्ययन कर, ऐसी कैशलेस योजना का प्रारुप तैयार किया, जो राज्य पॉवर कंपनियों में प्रचलित चिकित्सा सुविधा से बेहतर है एवं मितव्ययी भी। कैशलेस योजना के प्रारूप में सभी 29 अधिकारी/कर्मचारी एवं पेंशनर्स संगठनों के पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर, उनके सुझावों को शामिल करते हुए अंशदान देने हेतु सहमति प्राप्त की गई। माननीय मुख्यमंत्री, पावर कंपनी के चिकित्सकों एवं प्रबंधन के सुझावों को भी सम्मिलित करते हुए, योजना को बार-बार पुनरीक्षित करते हुए अंतिम रूप दिया गया।

इस योजना के लिये सबसे बड़ी चुनौती पॉवर कंपनी में कार्यरत नियमित एवं उनके पात्र आश्रितों के साथ-साथ पेंशनर्स एवं उनके पात्र आश्रितों की जानकारी संग्रहित करनी थी। उक्त जानकारी को मोर बिजली कंपनी मोबाईल ऐप के माध्यम से एकत्रित किया गया, जिससे अनावश्यक त्रुटियां, स्टेशनरी एवं मानव श्रम के खर्चे की बचत हुई। दो माह से कम की अवधि में निविदा जारी कर

इनका हुआ सम्मान

अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता श्रीमती स्नेहा सिंह, सहायक अभियंता श्री गीतेश देवांगन, सहायक प्रबंधक श्री कन्हैया लाल देवांगन, कनिष्ठ अभियंता श्री रजनीश चौबे को चेयरमेन श्री पी. दयानंद ने सम्मानित किया। इसके साथ ही अति. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ क्रान्ति भूषण बनसोड़े, अधीक्षण अभियंता श्रीमती नंदिनी कोसरिया, प्रबंधक डॉ. स्वाति तिवारी, श्री राजेश कुमार, श्री कोमल राम नागवंशी, सहायक प्रबंधक सर्वश्री नरसिंह कुमार साहू, संतोष कुमार भोई, विजय कुमार गायकवाड़ को प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने सम्मानित किया।

आई.एस.ए. (क्रियान्वयन सहायता एजेंसी) की नियुक्ति की गई, जिससे योजना चुनाव आचार संहिता लागू होने से पूर्व 01 अक्टूबर, 2023 से लागू हो सकी।

इस योजना की दूसरी बड़ी चुनौती अस्पतालों से सी.जी.एच.एस. दर पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने हेतु सहमति प्राप्त करना थी। अतः कैशलेस चिकित्सा योजना हेतु छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश राज्य में स्थित अस्पतालों को योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए अस्पतालों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सी.जी.एच.एस. दर पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु (लगभग 250) अस्पतालों से सहमति प्राप्त की गई।अस्पतालों की बिलिंग वाजिब एवं निर्धारित दरों पर सुनिश्चित करते हुए अस्पतालों को बिल जमा करने के एक माह के अंदर भुगतान सुनिश्चित किया गया।

टीम के सभी सदस्यों द्वारा लगभग प्रतिदिन सामूहिक रूप से चर्चा कर एवं अवकाश दिनों मे भी कठिन परिश्रम कर कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में आने वाली सभी चुनौतियों का त्वरित व्यावहारिक समाधान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह योजना 1 अक्टूबर 2023 से प्रारंभ की जा सकी।

प्रथम 100 दिनों में 1100 विद्युत नियमित कर्मी/ पेशनर्स एवं उनके परिवारजन कैशलेस स्वास्थ्य योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हैं तथा प्रतिदिन औसतन 11 हितग्राही अस्पताल में भर्ती होकर कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वित्तीय दृष्टि से यह योजना राज्य पावर कंपनियों एवं विद्युत कर्मी/ पेंशनर्स, दोनों के लिए लाभदायक (विन-विन सिच्युएशन) साबित हो रही है।

इस प्रकार विगत 9 वर्षो से लंबित अतिविशिष्ट कार्य के लिये कैशलेस चिकित्सा योजना के टीम के सभी सदस्यों को पारितोषिक दिये जाने हेतु चयन समिति द्वारा विशेष रूप से अनुशंसा की गई।

नई कैशलेस स्वास्थ्य योजना के नए प्रावधान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना की समीक्षा बैठक कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन श्री अशोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में 7 फरवरी 2024 को संपन्न हुई। बैठक में अधिकारियों, कर्मचारियों के अलावा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी ने यह योजना लागू करने के लिये विद्युत कंपनी प्रबंधन की सराहना की। साथ ही इस योजना को और बेहतर बनाने के लिये अपने सुझाव भी दिये। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक वित्त श्री वायबी जैन, अति महाप्रबंधक श्री विनोद अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री एचएल पंचारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

1. बहुप्रतीक्षित दांतों के कुछ इलाज (सफाई, रूट कैनाल ट्रीटमेंट, कैप लगवाना, दांत निकालना, Xray) की सुविधा कैशलेस योजना के तहत डे-केयर के अंतर्गत कैशलेस में मिलेगी। इनकी दरों को भी एनटीपीसी की दरों से एलाइन किया गया।
2. ऑनलाइन कन्सलटेशन की कैशलेस सुविधा जल्द शुरू होगी।
3. दवाईयों की घर पहुंच सेवा रियायती दरों पर शीघ्र मिलेगी।
4. मरीज को इलाज/जांच की पूरी हिस्ट्री मोबाईल ऐप मोर बिजली कंपनी में मिलगी।
5. छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर नेटवर्क अस्पतालों की संख्या बहुत कम है अतः छत्तीसगढ़ के बाहर सीजीएचएस रेट या जिप्सा रेट की बाध्यता को समाप्त करते हुए अस्पताल की दरों पर नए अस्पतालों को कैशलेस चिकित्सा की सुविधा के लिए जोड़ा जाएगा। इस सुविधा का दुरूपयोग भी ना हो, इसके लिये गैर सीएचएचएस रेट पर अनुबंधित अस्पताल में इलाज कराने पर हितग्राहियों को कुल बिल का 10% co-pay देना होगा।
6. अस्पतालों द्वारा मरीज से किसी भी प्रकार की वसूली ना हो सके इसलिए योजना के कंज्यूमेबल में खर्च की 3% की वर्तमान सीमा को कुछ रिलैक्स किया गया है।
7. हितग्राही से नेटवर्क अस्पताल द्वारा गैर-वाजिब वसूले गए पैसे की प्रतिपूर्ति हेतु त्वरित कार्यवाही की जावेगी।
8. यदि नेटवर्क अस्पताल किसी कारणवश कैशलेस इलाज देने से मना कर दें और यदि हितग्राही स्वयं से भुगतान कर इलाज लेता है तो ऐसे प्रकरण में खर्चो की प्रतिपूर्ति सीजीएचएस दरों से न होकर उसे अस्पताल से अनुबंध के दरों पर होगी।
9. यदि हितग्राही ने स्वयं के खर्चे से अलग से हेल्थ इंश्योरेंस ले रखा है और वह पहले हेल्थ इंश्योरेंस से क्लेम करता है, तो शेष राशि जो उसको स्वयं देनी पड़ी या जिसका क्लेम उसको हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से नहीं मिला, ऐसी राशि की प्रतिपूर्ति हेतु कैशलेस योजना के तहत क्लेम कर सकता है।
10. मरीज को MRI, X- ray, Sonography आदि की फिल्म और जांच रिपोर्ट जो पहले बिल के साथ पावर कंपनी में जमा करने के नाम पर नहीं दी जाती थी वो अब अस्पताल से डिस्चार्ज के समय मिलेगी ।
11. डे केयर की सूची में अब 100 से अधिक चिकित्सा प्रक्रिया शामिल।
12. नियमित विद्युत कर्मियों को नॉन नेटवर्क अस्पताल में 3 लाख से अधिक अनुमानित खर्च के इलाज हेतु चिकित्सा अग्रिम की सुविधा ।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के लिए मानव संसाधन विभाग ने नया परिपत्र जारी किया है, जिसमें कर्मियों एवं पेंशनरों को तीन में से किसी एक विकल्प का चयन अनिवार्य रूप से करने कहा गया है। 15 मार्च 2024 तक अनिवार्य रूप से मोर बिजली कंपनी मोबाईल ऐप अथवा जिनके पास स्मार्ट मोबाईल फोन की सुविधा नहीं है, ऐसे नियमित कर्मी फार्म को भर कर अपने नियंत्रक अधिकारी (डिविजन) के कार्यालय में एवं पेंशनर्स फार्म भर कर संबंधित लेखा अधिकारी कार्यालय में जमा करें।

योजना में न्यू एंट्री अब केवल 15 मार्च 24 तक

- जो नियमित कर्मी एवं पेंशनर अभी तक इस योजना में शामिल नहीं है उनके लिए एक अंतिम मौका 15 मार्च 24 तक दिया जा रहा है,
- उसके बाद 1 अप्रैल 24 से कोई भी नियमित विद्युत कर्मी या पेंशनर इस योजना में भविष्य में शामिल नहीं हो सकेंगे।
- प्रतिवर्ष वार्षिक कालखंड के शुरू होने पर योजना में शामिल होने के विकल्प को बंद कर दिया गया है।
- अब भविष्य में केवल नई भर्ती से आने वाले विद्युत कर्मी ही योजना में शामिल हो सकेंगे।
- इसलिए सभी इसे अधिक से अधिक प्रचारित प्रसारित करें
- मोर बिजली कंपनी एप उपयुक्त विकल्प चयन हेतु पुन: खोल दिया गया है।
- जिन नियमित विद्युतकर्मियों एवं पेंशनर्स ने अभी तक अपनी जानकारी भरकर मोबाइल एप या फॉर्म के मध्यम से अपडेट नहीं है, और 3 विकल्पों में से कोई एक विकल्प का चयन भी नही किया है, उनको 3 विकल्पों में से एक विकल्प का चयन करना अनिवार्य हैं
- अन्यथा ऐसे विद्युत कर्मी/ पेंशनर्स को 1 अप्रैल 24 से पुरानी व्यवस्था के तहत भी चिकित्सा सुविधा मिलना बंद हो जाएगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में उपलब्ध चिकित्सा सुविधा

	पुरानी रि-एंबर्समेन्ट सुविधा	नई कैशलेस सुविधा
नियमित कर्मियों को चिकित्सा सुविधा	▪ पहले स्वयं के खर्च से इलाज उपरांत प्रतिपूर्ति हेतु क्लेम जमा करना पड़ता है। ▪ अधिकतर समय प्रतिपूर्ति, खर्च की गई राशि से कम प्राप्त होती है। ▪ प्रतिपूर्ति में 2 से 3 महीने का समय लगता है। ▪ पॉवर कंपनी के डॉक्टर या उच्चाधिकारी से अनुमति लेनी पड़ती है। ▪ कई बार CGHS दरों पर इलाज प्राप्त नहीं होता है, जबकि प्रतिपूर्ति CGHS दरों पर प्राप्त होती है। ▪ अस्पतालों द्वारा ओवर बिलिंग या गलत बिलिंग के दुष्प्रभाव कभी-कभी कर्मियों को भुगतने पड़ते हैं।	▪ नेटवर्क अस्पताल में इलाज पर 10 लाख रुपए तक कैशलेस जाँच/इलाज। कोई भुगतान की आवश्यक्ता नहीं इसलिए प्रतिपूर्ति की आवश्यकता नहीं। ▪ ISA द्वारा बिलों का जांच किया जाता है इसलिए गलत बिल/जाँच की संभावना नहीं। ▪ अगर अस्पताल द्वारा राशि ली गई है तो उसकी भी प्रतिपूर्ति की व्यवस्था।
पेंशनर्स को चिकित्सा सुविधा	▪ आंतरिक रोगी (IPD) के रूप में कोई चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है ।	▪ चिकित्सा सुविधा पेंशनर्स को भी उपलब्ध है ।
इलाज हेतु अस्पतालों का चयन	प्रायः पॉवर कंपनी के डॉक्टर या नियंत्रक अधिकारी से पूर्व अनुमति के आधार पर	▪ 260 नेटवर्क अस्पतालों में से स्वविवेक से पसंदीदा अस्पताल के चयन की आजादी, कोई भी पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं।
हितग्राही का अंशदान	कुछ नहीं	▪ विकल्प I - 1,000 रुपए प्रतिमाह ▪ विकल्प II - 500 रुपए प्रतिमाह
वार्ड की पात्रता i. अधीक्षण अभियंता एवं उच्च ii. ई.ई./ए.ई./जे.ई./ कार्य.सहा.-I, एस.ओ./ सुपरवाइजर-II iii. कार्य.सहा.-II/III एवं सभी क्लास-IV कर्मी	प्राइवेट वार्ड सेमी-प्राइवेट वार्ड जनरल वार्ड	सभी हितग्राहियों के लिए एक समान प्राइवेट वार्ड 1. छत्तीसगढ़ में स्थित अस्पतालों में ▪ प्राइवेट वार्ड- 3,000 रुपए प्रतिदिन ▪ सेमी-डीलक्स/डीलक्स- 4,500 रुपए प्रतिदिन (केवल विकल्प-I) 2. छत्तीसगढ़ से बाहर स्थित अस्पतालों में ▪ प्राइवेट वार्ड 7,000 रुपए प्रतिदिन (विकल्प-I) ▪ प्राइवेट वार्ड 4,000 रुपए प्रतिदिन (विकल्प-II)
इलाज की दरें	प्रतिपूर्ति केवल CGHS दर पर की जाती है।	▪ छत्तीसगढ़ में नेटवर्क अस्पताल में CGHS दर एवं कुछ इलाज हेतु विशेष दरों पर कैशलेस सुविधा ▪ छत्तीसगढ़ से बाहर नेटवर्क अस्पताल में GIPSA/ अस्पताल दर पर कैशलेस सुविधा
एयर एम्बुलेंस		सीधे 50% खर्च प्रतिपूर्ति
प्रिवेंटिव हेल्थ चेक-अप		विकल्प-I के लिए कैशलेस/प्रतिपूर्ति
योग/आयुर्वेद/प्राकृतिक चिकित्सा उपचार		वास्तविक व्यय का 50% प्रतिपूर्ति या CGHS दर जो कम हो

कैशलेस के लिए विशेष दरें

कुछ इलाजो के लिए विशेष दरें	पुरानी रि-एंबर्समेन्ट सुविधा	नई कैशलेस सुविधा
मातृत्व लाभ i. सामान्य प्रसव ii. सिजेरियन प्रसव	केवल CGHS दरें ही मान्य 7,200 रुपए तक अधिकतम 12,645 रुपए तक अधिकतम	 25,000 रुपए तक अधिकतम 60,000 रुपए तक अधिकतम
मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा i. प्रोसीजर दर Non-NABH NABH ii. लेंस के विक्रय मूल्य मोनो/बाई फोकल मल्टीफोकल	 9,703 रुपए तक 11,500 रुपए तक 5,800 रुपए तक अधिकतम	 10,000 रुपए तक 11,500 रुपए तक MRP - 18,750 रुपए तक अधिकतम MRP - 29,375 रुपए तक अधिकतम
पैट सिटी स्कैन	11,500 रुपए	20,000 रुपए
बवासीर के इलाज में स्टेपलर	-	20,000 रुपए
डेंटल i. दांतों की सफाई ii. दांत निकालना साधारण कोम्प्लिकेटेड iii. रूट कनाल iv. कैपिंग जिरकोनिया मेटल सिरामिक	 300 रुपए 80 रुपए 100 रुपए 700 रुपए - 1,500 रुपए	 1,000 रुपए 750 रुपए 1,250 रुपए 2,500 रुपए 5,000 रुपए 3,500 रुपए

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा से बेहतर क्यों है ?

	इंश्योरेंस/बीमा	पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना
प्रवेश आयु	प्रवेश आयु में प्रतिबन्ध (65 वर्ष तक)	प्रवेश आयु में कोई प्रतिबन्ध नहीं
पूर्व से मौजूद बीमारी Pre-Existing Disease	3 साल का प्रतीक्षा अवधि	पहले दिन से पूर्व से मौजूद बीमारी शामिल
परिवार की संख्या	परिवार की संख्या के साथ प्रीमियम में बढ़ोतरी होती है	फ्लैट प्रीमियम 500 रुपए या 1000 रुपए
हितग्राही की आयु	हितग्राही की आयु के साथ प्रीमियम में बढ़ोतरी होती है	फ्लैट प्रीमियम 500 रुपए या 1000 रुपए

विदाई

रायपुर । पॉवर कंपनीज़ मुख्यालय से कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार पाण्डेय एवं मुख्य अभियंता श्री विनोद ग्रोवर को 31 जनवरी को विदाई दी गई। एमडी श्री मनोज खरे एवं श्री एस.के.कटियार ने सेवानिवृत्तजनों को प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ईडी सर्वश्री वीके साय, अशोक कुमार वर्मा, भीम सिंह, एमएस चौहान, के एस मनोठिया, एमएस कंवर, आरए पाठक, एमके बागड़े, वाईबी जैन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, विनोद अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रायपुर । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्ष कार्यालय में सहायक प्रबंधक श्री मनोज कुमार तिवारी को भावभीनी विदाई दी गई। एजीएम श्री विनोद अग्रवाल ने श्री तिवारी को शाल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर डीजीएम पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रायपुर । वितरण कंपनी के वित्त विभाग में सहायक प्रबंधक श्री अरूण कुमार देवांगन एवं श्री दिनेश कुमार विश्नोई को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर ईडी सर्वश्री एमएस चौहान, संदीप मोदी एवं एजीएम श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य द्वारा उनके एवं उनके परिवार के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की गई।

कोरबा पूर्व। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह जनवरी-2024 में वरिष्ठ पर्यवेक्षक हुनेश्वर सिंह राठौर एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक भरत लाल, माह फरवरी में वरिष्ठ पर्यवेक्षक सुखीदास महंत एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक देवेंद्र कुमार वर्मा को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक- डॉ. हेमंत सचदेव, मुख्य अभियंता, आशीष श्रीवास्तव, अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता- संजीव कंसल एवं एलएन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

कोरबा पश्चिम । हसदेव ताप विद्युत गृह से जनवरी 2024 में अधीक्षण अभियंता श्री सुधीर कुमार गावशिंदे, अनुभाग अधिकारी- श्रीमती निर्मला तिवारी, कनिष्ठ पर्यवेक्षक- श्री दिलीप साय एक्का एवं श्री नवीन कुमार पटेल तथा मानचित्रकार- श्री सुनील कुमार कैवर्त, व फरवरी में संयंत्र से अधीक्षण अभियंता- श्री रमेश कपिलेश, श्री ओ.पी पांडे, वरिष्ठ पर्यवेक्षक- श्री तुलाराम चंद्रा, श्री समारू राम जगत, कनिष्ठ पर्यवेक्षक- श्री निरंजन टोप्पो, श्री गौरीशंकर श्रीवास्तव, श्री महरण प्रताप जांगड़े एवं श्री रामनिहोर साहू, सिविल परि. श्रेणी- एक- श्री तीज राम साहू सेवानिवृत्त हुए। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री संजय शर्मा, मुख्य अभियंता - श्री हेमंत सिंह, अति. मुख्य अभियंता - श्री पी.के स्वेन,श्री एम.के गुप्ता,श्री पी. भास्कर राव,श्री सुधीर कुमार पंड्या एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ- श्री ए.के कुरनाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री रवीन्द्र साहू द्वारा किया गया।

वो जागरूक किसान का सम्मान पाएं

जो कृषि पंपों के साथ कैपेसिटर लगवाएं

गर्मी के मौसम में धान और चने की फसल में सिंचाई के लिये एक साथ कृषि पंप चलने से पंप कनेक्शन सघन क्षेत्रों में विद्युत प्रणाली पर लोड बढ़ जाता है। सिस्टम का लोड असंतुलित होकर बहुत ज़्यादा इंडक्टिव हो जाता है और विद्युत प्रणाली का पॉवर फ़ैक्टर कम हो जाता है। जो प्रणाली की स्थिरता पर जोखिम बढ़ा देता है। इससे प्रणाली और सिंचाई पंप दोनों के खराब होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे क्षेत्रों के किसानों से अपेक्षित होता है कि पंप के स्टार्टर के समीप कैपेसिटर स्थापित करें। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी अपने स्तर पर ट्रांसफ़ॉर्मरों की क्षमता वृद्धि, सबस्टेशनों में कैपेसिटर बैंक की स्थापना कर रही है, लेकिन किसानों का सहयोग भी आवश्यक है।

पंप की क्षमता अनुसार कैपेसिटर की जरूरत

0 से 3 एचपी तक

1 केवीएआर

3 से 5 एचपी तक

2 केवीएआर

5 से 7.50 एचपी तक

3 केवीएआर

7.50 से 10 एचपी तक

4 केवीएआर

10 एचपी से 15 एचपी तक

5 केवीएआर

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रक/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है- मुद्रक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702 | E-mail : procsphcl@gmail.com